जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 157 दिनांक:21-05-2022 शनिवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

इंद्राणी मुखर्जी पर अपने तत्कालीन ड्राइवर श्यामवर राय और पूर्व पति संजीव खन्ना के साथ मिलकर अपनी 24 वर्षीया बेटी की हत्या करने का आरोप है। मुंबई में सीबीआइ की विशेष अदालत ने दो लाख रुपये का बांड भरने के बाद इंद्राणी को रिहा करने की अनुमति दे दी।

पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने एक साल कैद की सजा सुनाए जाने के बाद पटियाला कोर्ट में सरेंडर कर दिया। उनको मेडिकल कराने के बाद पटियाला जेल ले जाया गया है।

ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, वाराणसी कोर्ट में ही मामला सुना जाए

शिवलिंग को सुरक्षित रखा जाए और नमाज पढ़ने से नहीं रोके

नई दिल्ली (ईएमएस)। ज्ञानवापी मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से सुनवाई के दौरान तीन बड़े सुझाव सामने आए हैं। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से शिवलिंग मिलने के दावे वाली जगह को सुरक्षित किया जाए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट की तरफ से कहा गया है कि मुस्लिमों को नमाज पढ़ने से न रोका जाए। पुलिस प्रशासन को देखना होगा कि कितनी संख्या में वहां पर जा सकते हैं। तीसरी बड़ी बात कोर्ट की ओर से कही गई है, कि मामला कॉम्पलैक्स हैं, वाराणसी में ही कोर्ट में ही मामला सुना जाए।

सुनवाई के दौरान जस्टिस चंद्रचूड़ की ओर से कहा गया है कि जो जिला जज न्यायिक अधिकारी होते हैं। जिला जज को हम निर्देश नहीं दे सकते हैं। कमीशन की रिपोर्ट को कैसे डील करना है। अदालतें को उसी मामले की सुनवाई करनी चाहिए। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि जिला जज अपने हिसाब से सुनवाई करें।

वहीं शुक्रवार को सुनवाई से पहले हिंदू पक्षकारों की तरफ से 278 पन्नों का विस्तृत हलफनामा दिया गया है। जिसमें कहा गया है कि ज्ञानवापी का मामला उपासना स्थल कानून 1991 के दायरे में नहीं आता है, क्योंकि ये 15 अगस्त 1947 को किसी भी धार्मिक स्थल की स्थिति को लेकर है। जबकि ज्ञानवापी परिसर में स्थित देवी श्रृंगार गौरी की उपासना, पूजा और दर्शन पिछली सदी के आखिरी दशक तक हो रही थी। अदालत पहले धार्मिक स्थलों की स्थिति के सवालों पर पहले सुनवाई करे। फिर उसके कैरेक्टर और स्थिति की समीक्षा हो।

वहीं इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने काशी विश्वनाथ मंदिर-ज्ञानवापी मस्जिद मामले में सुनवाई छह जुलाई तक के लिए टाल दी। वाराणसी के अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद और अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने सुनवाई की अगली तारीख छह जुलाई तय की। उल्लेखनीय है कि मूल वाद वर्ष 1991 में वाराणसी की जिला अदालत में दायर किया गया था, जिसमें वाराणसी में जहां ज्ञानवापी मस्जिद मौजूद है, वहां प्राचीन मंदिर बहाल करने की मांग की गई थी। वाराणसी की अदालत ने आठ अप्रैल, 2021 को पांच सदस्यीय समिति गठित कर सदियों पुरानी ज्ञानवापी मस्जिद का समग्र भौतिक सर्वेक्षण कराने का आदेश दिया था। याचिकाकर्ताओं ने आठ अप्रैल के इस आदेश को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में यह कहकर चुनौती दी कि वाराणसी की अदालत का यह आदेश अवैध और उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर का है। याचिका में कहा गया कि वाराणसी की अदालत में यह विवाद सुनवाई योग्य है या नहीं, यह इलाहाबाद उच्च न्यायालय में विचाराधीन है।

इनकम टैक्स के नाम पर चल रहा स्कैम, किसी से शेयर न करें अपनी निजी जानकारी

मुंबई, (ईएमएस)। डिजिटल लेनदेन के साथ धोखाधड़ी भी तेजी से बढ़ रही है. हैकर अब इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के नाम से रिफंड या अन्य फर्जी मैसेज भेजकर टैक्सपेयर्स या दूसरों के खाते से रकम गायब कर रहे हैं. ऐसी स्थिति में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने लोगों को उसके नाम से भेजे जा रहे फर्जी मैसेज का शिकार होने से बचने की सलाह दी है. डिपार्टमेंट ने लोगों को सचेत किया है कि आंख मूंदकर एसएमएस या ईमेल का जवाब देना उनके लिए मुसीबत बन सकती है. इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने लोगों को अपना पर्सनल या फाइनेंशियल विवरण किसी के साथ शेयर नहीं करने को कहा है. विभाग के मुताबिक, किसी भी ईमेल पर अकाउंट नंबर, पैन और अन्य गोपनीय जानकारी नहीं देनी चाहिए. इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने साफ किया है कि उसकी तरफ से इस प्रकार का कोई विवरण नहीं मांगा जाता है. डिपार्टमेंट ने इस संबंध में अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर जानकारी दी है. आमतौर पर रिटर्न भरने और रिफंड प्रोसेस का एसएमएस भेजा जाता है, लेकिन हैकर ईमेल या एसएमएस में भी लिंक भेजकर जानकारी मांगते हैं.

- लॉटरी मैसेज से किया था सावधान

पिछले दिनों इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने लोगों को लॉटरी स्कैम के प्रति सावधान करते हुए एक ट्वीट शेयर किया था. इसमें कहा था कि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ऐसा कोई लकी ड्रा नहीं चला रहा है. डिपार्टमेंट ने सोशल मीडिया पर इस संबंध में प्रसारित हो रहे मैसेज को फर्जी करार देते हुए लोगों को अपनी पर्सनल या फाइनेंशियल जानकारी शेयर नहीं करने की सलाह दी थी.

चीन पैंगोंग लेक पर दूसरा पुल उस क्षेत्र में बना रहा है जो 1960 से उसके अवैध कब्जे में है - भारत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने कहा है कि चीन द्वारा पैंगोंग लेक पर बनाया जा रहा दूसरा पुल उस क्षेत्र में है जो 1960 से उस देश के अवैध कब्जे में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने कभी भी 'अपने' क्षेत्र पर इस तरह के अवैध कब्जे को स्वीकार नहीं किया है। बागची ने कहा, 'हमने चीन की ओर से पैंगोंग लेक पर अपने पूर्व के पुल के साथ एक पुल बनाए जाने की खबरें देखी हैं। ये दोनों पुल उन क्षेत्रों में हैं जो 1960 के दशक से चीन के अवैध कब्जे में हैं' मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए बागची ने यह बात कही।

प्रवक्ता ने कहा, 'हमने अपने क्षेत्र में इस तरह के अवैध कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है और न ही हमने अनुचित चीनी दावे या ऐसी निर्माण गतिविधियों को स्वीकार किया है।' उन्होंने कहा, 'हमें कई अवसरों पर इस बात को स्पष्ट किया है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित क्षेत्र, भारत का अभिन्न अंग है और अहम उम्मीद करते हैं कि अन्य देश, भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करेंगे।'

बागची ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों को पूरी तरह सुनिश्चित करने को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2014 से ही सरकार ने सड़कों और पुलों सहित सीमा आधारभूत ढांचे के विकास को गति प्रदान की है।उन्होंने कहा, 'सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे के सृजन के उद्देश्य को लेकर प्रतिबद्ध है ताकि न केवल भारत की सामरिक सुरक्षा जरूरतों को पूरा किया जा सके बल्कि इन क्षेत्रों में आर्थिक विकास को सुगम बनाया जा सके।'प्रवक्ता ने कहा कि सरकार उन सभी घटनाक्रम पर सतत नजर रखती है जो भारत की सुरक्षा से जुड़े होते हैं और देश की सम्प्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा के लिये जरूरी कदम उठाती है।जानकार सूत्रों ने बुधवार को बताया था कि चीनी पक्ष द्वारा पूर्वी लद्दाख में सामरिक रूप से महत्वपूर्ण पैंगोंग सो के पास दूसरा पुल बनाया जा रहा है।

राबड़ी आवास से सीबीआइ ले गई एक पेन ड्राइव

छापेमारी के बाद राजद का बड़ा बयान

पटना : रेलवे की ग्रुप-डी बहाली में जमीन लेकर नौकरी देने के मामले में सीबीआइ अफसरों ने शुक्रवार को राबड़ी देवी के सरकारी आवास पर दिनभर छापेमारी की। राबड़ी आवास में जिस वक्त सीबीआइ सर्च आपरेशन में जुटी थी उस वक्त आवास के बाहर राजद समर्थकों का हुजूम उमड़ा पड़ा था। कयास लग रहे थे कि आवास में मौजूद राबड़ी देवी और तेजप्रताप यादव से पूछताछ भी की गई है। तमाम कयासों के बीच आवास में मौजूद सीबीआइ के सूत्रों ने बताया आज की कार्रवाई में सिर्फ सीबीआइ अफसरों ने किसी से पूछताछ नहीं की। सिर्फ आवास में जिस-जिस कमरे में दस्तावेज पाए गए, उन्हें ही देखा-समझा गया। राबड़ी देवी के दो कमरों के साथ ही तेजप्रताप के कमरे और कुछ अन्य कमरों की तलाशी भी ली गई और अहम दस्तावेज खंगाले गए। सूत्रों ने साफ किया कि आज राबड़ी देवी या तेजप्रताप से कोई पूछताछ नहीं की गई।

सूत्रों ने बताया कि इस आवास में तेजस्वी यादव के जो कमरे हैं, वे बंद थे। बता दें कि तेजस्वी इन दिनों लंदन यात्रा पर हैं। बंद कमरों के अंदर भी सीबीआइ अफसरों को जाना था। लिहाजा टीम के अफसरों ने चाबी बनाने वाले को बुलाकर दोनों कमरों की चाबी बनवाई। उसके बाद उन कमरों में रखे कागजात-दस्तावेज खंगाले गए। सूत्रों की मानें तो सीबीआइ के अफसर अपने साथ कुछ कागजात लेकर भी गए हैं।

राजद नेता शक्ति सिंह ने कहा कि कार्रवाई में राबड़ी देवी और तेजप्रताप ने सीबीआइ का पूरा सहयोग किया। घंटों मशक्कत के बाद सीबीआइ को कुछ हाथ नहीं लगा। उन्होंने कहा कि सीबीआइ को यह लगा कि राजनीतिक दबाव के कारण यह कार्रवाई हुई, लेकिन मजबूर अधिकारी कुछ बोल नहीं सकते। महिला नेत्री ने बताया कि सीबीआइ अपने साथ राजद की एक आफिशियल पेन ड्राइव ले गई है।

राबड़ी देवी के आवास पर सीबीआइ की छापेमारी की जानकारी बिल्कुल गुप्त रखी गई थी। यहां तक कि पुलिस मुख्यालय को भी इसकी भनक नहीं लगने दी गई। मुख्यालय सूत्रों के अनुसार, राबड़ी आवास पर सीबीआइ की टीम के पहुंचने के बाद सुरक्षा के लिए पुलिस बल की मांग की गई। इसके बाद स्थानीय थाने के साथ पुलिस बल राबड़ी आवास भेजा गया।

ब्रिक्स ने क्षेत्रीय अखंडता व कानूनों का हमेशा सम्मान किया, हमें इन प्रतिबद्धताओं पर खरा उतरना होगा : जयशंकर

-वर्चुअल ब्रिक्स समिट में भारतीय विदेश मंत्री ने चीन को सुनाई खरी-खोटी

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन की मेजबानी में ब्रिक्स समूह की डिजिटल बैठक हुई। बैठक में जब विदेश मंत्री एस जयशंकर को बोलने का मौका मिला तो उन्होंने संप्रभुता और अखंडता की बात करते हुए चीन को खूब खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने स्पष्ट तौर पर यूक्रेन संघर्ष का जिक्र किया लेकिन इशारों में चीन को आईना भी दिखाया। उन्होंने कहा ब्रिक्स ने बार-बार संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता, अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि हमें उन प्रतिबद्धताओं पर खरा उतरना चाहिए।

विदेश मंत्री जयशंकर की यह टिप्पणी ऐसे समय में काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है जब एक तरफ पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच सीमा विवाद लंबा खिंच रहा है उधर, यूक्रेन के खिलाफ रूस का आक्रमण जारी है। जयशंकर ने कहा ब्रिक्स को आतंकवाद, विशेषकर सीमापार आतंकवाद को लेकर बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने वाला रुख दिखाना चाहिए। खास बात यह है कि इस बैठक में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी शामिल हुए। उन्होंने ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। जिनपिंग ने जोर देकर कहा कि इतिहास और वास्तविकता दोनों हमें बताते हैं कि दूसरों की कीमत पर अपनी सुरक्षा की तलाश करना केवल नए तनाव और जोखिम पैदा करेगा।

अगले महीने होने वाले ब्रिक्स वार्षिक शिखर सम्मेलन के हिस्से के रूप में विदेश मंत्रियों की बैठक वीडियो लिंक के माध्यम से आयोजित की गई थी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन संघर्ष के प्रभाव के कारण ऊर्जा, खाद्य एवं अन्य उत्पादों की लागत में तीव्र वृद्धि हुई और विकासशील देशों को ध्यान में रखते हुए इसे कम किया जाना चाहिए। चीन, रूस एवं दो अन्य सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की मौजूदगी में जयशंकर ने यह भी कहा कि ब्रिक्स ने बार-बार संप्रभु समानता, क्षेत्रीय अखंडता की बात की।

ब्रिक्स (ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका) पांच बड़े विकासशील देशों का समूह है, जो 41 प्रतिशत वैश्विक आबादी, 24 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी और 16 प्रतिशत वैश्विक कारोबार का प्रतिनिधित्व करता है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ब्रिक्स को एक सकारात्मक, प्रेरक और रचनात्मक पावर करार दिया। उन्होंने कहा कि इस समूह को ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय संबंधों को स्थिर बनाने में मदद करनी चाहिए जब दुनिया अशांति से जूझ रही है।

उन्होंने सभी देशों में साझा सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए अपनी वैश्विक सुरक्षा पहल (जीएसआई) को भी आगे बढ़ाया। शी जिनपिंग ने कहा कि आज प्रमुख बदलावों और महामारी के प्रभाव को जोड़ा जा रहा है और अंतरराष्ट्रीय स्थिति में अस्थिरता, अनिश्चितता और असुरक्षा के कारक बढ़ रहे हैं। शी ने कहा इसके बावजूद, शांति और विकास महत्वपूर्ण विषय बना हुआ है।

चंद्रपुर में डीजल टैंकर और ट्रक की जोरदार टक्कर से आग, 9 लोगों की मौत

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर में भीषण सड़क हादसा हुआ है। डीजल टैंकर और ट्रक की जोरदार भिड़ंत के बाद आग में जलने के कारण 9 लोगों की मौत हो गई है। एजेंसी के मुताबिक, हादसे में ट्रक चालक की भी जान चली गई है। बताया जा रहा है, कि ये हादसा चंद्रपुर जिले के एक इलाके में हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ट्रक में लकड़ियां लदी हुई थी। फिलहाल हादसे की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि दुर्घटना गुरुवार रात करीब साढ़े दस बजे चंद्रपुर-मूल रोड पर हुई।

पुलिस ने बताया कि चंद्रपुर शहर के पास अजयपुर के पास डीजल से लदा एक टैंकर लकड़ी के लट्ठों को ले जा रहे ट्रक से टकरा गया। दुर्घटना के बाद आग लग गई जिसमें नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वन विभाग के सूत्रों ने बताया कि हादसे के करीब एक घंटे बाद दमकल कर्मी अजयपुर पहुंचे और कुछ घंटों बाद आग पर काबू पाया। पीड़ितों के शवों को बाद में चंद्रपुर अस्पताल ले जाया गया।' इस घटना के बाद सड़क के दोनों ओर गाड़ियों का जाम लग गया। दमकल की कई गाड़ियां रात भर आग बुझाने का काम करते रही। बताया जा रहा है ट्रक से जैसे ही पेट्रोल टैंकर टकराया इसके बाद ट्रक का टायर फटा और ट्रक अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे टैंकर से टकरा से टकरा गया। दोनों के टक्कर से भीषण आग लगी। वहीं घटना के बाद सड़क पर फैले पेट्रोल की वजह से आसपास के जंगल के कई पेड़ जल गए हैं।

मामूली और काल्पनिक आधार पर इंश्योरेंस क्लेम खारिज न करें बीमा कंपनियां - सुको

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने बीमा कंपनियों से कहा है कि वे मामूली और काल्पनिक आधार पर इंश्योरेंस क्लेम खारिज न करें। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को कहा कि बीमा कंपनियां कई मामलों में दावों को मामूली आधार पर मना कर रही हैं। उन्हें दावों का निपटारा करते समय बहुत तकनीकी रवैया नहीं अपनाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि बीमा कंपनियों को ऐसे दस्तावेज नहीं मांगने चाहिए, जिन्हें बीमाधारक हालातों के कारण पेश कर पाने की स्थिति में न हों।शीर्ष अदालत ने 2013 में चोरी हुए ट्रक के लिए बीमा पॉलिसी के तहत दावे के संबंध में यह टिप्पणी की। न्यायालय ने इस मामले में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के पिछले साल अगस्त में आए आदेश को खारिज कर दिया।

पीठ ने कहा कि ट्रक के मालिक अपीलकर्ता को गलत तरीके से बीमा दावे से वंचित कर दिया गया और बीमा कंपनी दावे का निपटारा करते समय बहुत तकनीकी हो गई और उसने मनमाने ढंग से काम किया। पीठ ने अपने आदेश में कहा, इसलिए मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के मद्देनजर, जब अपीलकर्ता ने पंजीकरण के प्रमाणपत्र की फोटोकॉपी और आरटीओ द्वारा दिए गए पंजीकरण विवरण पेश किए, तो केवल इस आधार पर कि पंजीकरण का मूल प्रमाण पत्र (जो चोरी हो गया है) पेश नहीं किया गया, दावे का निपटारा नहीं करने को सेवा में कमी कहा जा सकता है।

इस बीमा दावे का निपटारा मुख्य रूप से इस आधार पर नकार दिया गया था कि अपीलकर्ता ने पंजीकरण का मूल प्रमाण पत्र या आरटीओ द्वारा जारी पंजीकरण प्रमाण पत्र की प्रमाणित नकल भी प्रस्तुत नहीं की थी। पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता को ऐसे दस्तावेज देने के लिए कहा गया, जिन्हें प्रस्तुत करना उसके नियंत्रण के बाहर था। अदालत ने कहा कि वैध बीमा होने और ट्रक चोरी हो जाने के बाद, बीमा कंपनी को बहुत अधिक तकनीकी नहीं बनना चाहिए। कई मामलों में यह पाया गया है कि बीमा कंपनियां मामूली आधार और तकनीकी आधार पर दावे को खारिज कर रही हैं।

बीमा कंपनी को बहुत अधिक तकनीकी दांवपेंचों के सहारे बीमाधारक को क्लेम से वंचित नहीं करना चाहिए। कोर्ट ने छत्तीसगढ़ के दुर्ग में जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग द्वारा अपीलकर्ता की शिकायत को खारिज के आदेश को रद्द कर दिया। राज्य आयोग और एनसीडीआरसी द्वारा पारित आदेश को भी खारिज कर दिया। पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता को दावा करने की तारीख से 7 प्रतिशत ब्याज के साथ 12 लाख रुपये की बीमा राशि मिलनी चाहिए।

पटियाला जेल हुआ सिद्धू का नया पता, मेडिकल के बाद एक साल के लिए जेल में बंद

चंडीगढ़/ पटियाला । सुप्रीम कोर्ट द्वारा 34 साल पुराने रोड रेज मामले में एक वर्ष के सश्रम कैद की सजा सुनाए जाने के बाद नवजोत सिंह सिद्धू का पटियाला जेल ले आया गया है। अब उनका नया पता केंद्रीय सुधार गृह पटियाला होगा। उनको आम कैदी की तरह गाड़ी में जेल के अंदर ले जाया गया। रंगीन व स्टाइलिश कपड़ों के शौकीन को सिद्धू को जेल की सफेद पोशाक पहननी होगी। जेल में तमाम औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उनको कैदी नंबर मिलेगा और जेल में उनकी यही पहचान होगी। उनको जेल में काम भी करना होगा और आम कैदियों की तरह रहना होगा। उनको कोई वीआइपी ट्रीटमेंट नहीं मिलेगा।

भारत को अपनी जरूरतों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए: रक्षामंत्री राजनाथ

नई दिल्ली (ईएमएस)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने देश के युवाओं का आह्वान किया कि वह प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुसार 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए चिंतन, नवाचार और नई तकनीकों का स्वदेशीकरण करें। रक्षामंत्री 20 मई, 2022 को डॉ. डी वाई पाटिल विद्यापीठ, पुणे के छात्रों को 13वें दीक्षांत समारोह के दौरान संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय चिकित्सा, दंत चिकित्सा, नर्सिंग, फिजियोथेरेपी, ऑप्टोमेट्री, आयुर्वेद, होम्योपैथी, जैव प्रौद्योगिकी और व्यवसाय प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करता है। राजनाथ सिंह ने युवाओं को किसी भी देश के लिए सबसे बड़ी ताकत, उत्प्रेरक और परिवर्तन का स्रोत बताया। उन्होंने कहा, ''युवाओं में किसी भी चुनौती का सामना करने और उसे अवसर में बदलने की क्षमता है। उनके पास नई तकनीकों की खोज करने और नई कंपनियों और अनुसंधान प्रतिष्ठानों को स्थापित करने की क्षमता है।

6 करोड़ आबादी वाला फ्रांस राफेल बना रहा 130 करोड़ का देश मंदिर-मस्जिद खोद रहा: शिवसेना

नई दिल्ली (ईएमएस)। शिवसेना ने ज्ञानवापी मस्जिद मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित संपादकीय के जरिए शिवसेना ने कहा है कि इन मुद्दों के जरिए ही भाजपा 2024 लोकसभा चुनाव इन मुद्दों पर लडेगी। साथ ही पार्टी ने भारत की तुलना फ्रांस से की है और काशी-मथुरा मामले को लेकर कश्मीर घाटी में हिंदू पंडितों के 'दमन' का मुद्दा उठाया है। साढ़े 6 करोड़ जनसंख्या वाला देश फ्रांस 'राफेल' बनाकर हमें बेच रहा है और 130 करोड़ लोगों का देश रोज मंदिर-मस्जिद और अवशेषों का उत्खनन कर रहा है। इसी को कुछ लोग विकास समझते होंगे तो उन्हें साष्टांग दंडवत।' इस दौरान पार्टी ने काशी-मथुरा, ताजमहल, जामा मस्जिद को लेकर जारी खबरों का भी जिक्र किया। पार्टी ने कहा, 'भाजपा के विकास का मॉडल इस तरह से चल रहा है। हनुमान चालीसा, भोंगा प्रकरण बहुत ज्यादा नहीं चला। हर बार कोई नई राम कहानी अथवा कृष्ण कथा रची जाती है। इसका मूल रामायण-महाभारत से कोई संबंध नहीं होता है। लेकिन लोगों को उकसाते रहना है, ऐसा धंधा चल रहा है।' शिवसेना ने सरकार पर कश्मीर घाटी की स्थिति की अनदेखी करने के भी आरोप लगाए हैं। पार्टी ने लिखा, "अयोध्या तो झांकी है, काशी-मथुरा बाकी है' यह घोषणा हिंदुत्ववादियों को सुख पहुंचानेवाली है ही, परंतु कश्मीर घाटी में हिंदू पंडितों का जो दमन फिर से शुरू हुआ है, वह मुद्दा भी काशी-मथुरा जितना ही गंभीर है। उस ओर सुविधानुसार अनदेखी चल रही है।' बीते सप्ताह राउत ने कहा था कि राम जन्मभूमि आंदोलन के बाद और ऐसे में जब भगवान राम का मंदिर बन रहा है, तो देश को स्थिरता की जरूरत है। दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान राउत ने कहा, 'मुझे लगता है कि 2024 की तैयारियां इस तरह से की जा रही हैं कि देश में तनाव पैदा करने के लिए सभी ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों की खुदाई की जा रही है।

उबर इंडिया ने बढ़ाया किराया

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऐप के जरिए टैक्सी सेवाएं मुहैया कराने वाली कंपनी उबर इंडिया ने कहा कि उसने पिछले कुछ हफ्तों के दौरान भारत के कई शहरों में किराया बढ़ाया है। कंपनी ने कहा कि ईंधन की बढ़ती कीमतों के प्रभाव से ड्राइवरों को बचाने के लिए यह फैसला किया गया। उबर ने कहा कि वह हमेशा ड्राइवरों के लिए एक व्यवहारिक और आकर्षक विकल्प देने की कोशिश करती है, और किरायों में हालिया बढ़ोतरी से उनकी आय बढ़ेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा ?कि ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी ने हर किसी को प्रभावित किया है, खासतौर पर सवारी ले जाने वाले ड्राइवरों को, जिन्होंने बढ़ती ईंधन लागत की तकलीफ को महसूस किया है।यह सुविधा 20 शहरों में है, जिसे सभी शहरों तक बढ़ाया जाएगा।

कार्टून कोना

भारत ने मिस्त्र को भेजी 61,500 टन गेहूं की खेप, 12 देश अभी गेहूं निर्यात के लिए कतार में

भारत इन देशों के अनुरोध पर विचार करेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध के बावजूद गेहूं की एक बड़ी खेप मिस्त्र को भेजी है। दरअसल मिस्त्र के अनुरोध के बाद भारत की तरफ से 61,500 टन गेहूं मिस्त्र को भेजा गया है। गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध के बाद भारत की तरफ से ये किसी देश को दी गई सबसे बड़ी खेप है। इतना ही नहीं मिस्त्र की तरह ही करीब 12 देशों ने भारत से अनुरोध किया है कि वहां उन्हें गेहूं का निर्यात करे। रिपोर्ट के मुतबिक, पूरे मामले से अवगत अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि कम से कम एक दर्जन देश हैं, जो भारत से गेहूं के लिए राजनयिक स्तर पर अनुरोध कर रहे हैं।

मिस्त्र को जितना गेहूं निर्यात किया जाना था, कस्टम ने उसमें से 17,160 टन गेहूं के निर्यात की अनुमति दी। अधिकारी ने बताया कि भारत की तरफ से निर्यात पर प्रतिबंध प्रभावी होने से पहले ही मिस्त्र को भेजे जा रहे शिपमेंट के लिए क्रेडिट गारंटी सहित अनिवार्य औपचारिकताएं पूरी कर ली गई थीं। मिस्त्र को भारत की तरफ से गेहूं की शिपमेंट मेरा इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड कर रहा है। प्रतिबंध के प्रभावी होने के बाद गेहूं की इस खेप के लिए शिप को कस्टम क्लीयरेंस दिया गया। ये खेप 17 मई को गुजरात के कांडला बंदरगाह से निकल गई थी।

दुनिया के दूसरे सबसे बड़े गेहूं उत्पादक भारत ने 13 मई को कहा कि वहां अपनी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाता है। हालांकि, भारत ने ये जरूर कहा था कि वहां खाद्य संकट झेल रहे उन देशों की मदद करेगा जो उनसे मदद की मांग कर रहे हैं। भारत ने कहा कि प्रतिबंध से पहले जिन देशों के साथ गेहूं निर्यात को लेकर सौदा किया गया है, उन देशों को भी भारत गेहूं निर्यात करेगा।

वहीं, मिस्त्र को गेहूं भेजने की जानकारी देने वाले अधिकारी ने कहा कि भारत विदेशों से प्राप्त हो रहे गेहूं के अनुरोध पर विचार करेगा। ये देश गंभीर खाद्य संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारी जल्द ही अनुरोधों की समीक्षा करने के लिए चर्चा करने वाले हैं। हालांकि, अधिकारी ने ये नहीं बताया कि विदेश मंत्रालय को किन देशों से गेहूं के अनुरोध मिल रहे हैं।

भारत सरकार के अनुमानों के अनुसार, भारत में लगातार पांच वर्षों के रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन के बाद पहली बार इसमें गिरावट देखने को मिल रही है। फरवरी में अनुमान लगाया गया कि उत्पादन 11.1 करोड़ टन होगा लेकिन उत्पादन 10.5 करोड़ टन ही है। यानी उत्पादन में कम से कम 5.7 प्रतिशत की गिरावट आई है। अप्रैल 2022 में, देश के व्यापारियों ने उच्च वैश्विक मांग और बढ़ी हुई कीमतों का लाभ उठाने के लिए विदेशों में 14 लाख टन गेहूं की बिक्री की। भारत ने वित्त वर्ष में मार्च तक रिकॉर्ड 78 लाख 50 हजार टन निर्यात किया, जो एक साल पहले की तुलना में 275 प्रतिशत अधिक है।

चीनी पुल पर भारत का जवाब डरपोक जैसा: कांग्रेस

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस ने पैंगोंग झील के निकट चीन द्वारा दूसरा पुल बनाए जाने संबंधी खबरों पर भारत सरकार की प्रतिक्रिया को विरोधाभासी करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि इस तरह के बयान से कुछ नहीं होगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्र की रक्षा करनी चाहिए। पार्टी ने सरकार से यह सवाल भी किया कि क्या चीन द्वारा पैगोंग झील के निकट अवैध निर्माण किया जाना भारत की भौगोलिक अखंडता पर हमला नहीं है?' पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग सो के पास चीन के दूसरा पुल बनाने की खबरें आने के एक दिन बाद विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा था कि खबरों के अनुसार जिस स्थान पर निर्माण कार्य किया जा रहा है, वह क्षेत्र दशकों से उस देश के कब्जे में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में यह भी कहा था कि भारत की ऐसे घटनाक्रम पर नज़र है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ''चीन पैंगोंग पर पहला पुल बनाता है। भारत सरकार कहती है कि हम हालात पर नजर बनाए हुए हैं। चीन पैंगोंग पर दूसरा पुल बनाता है। भारत सरकार कहती है कि हम हालात पर नजर बनाए हुए हैं।'' उन्होंने कहा, ''भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता से कोई समझौता नहीं हो सकता। डरे हुए अंदाज में प्रतिक्रिया करने से कुछ नहीं होगा। प्रधानमंत्री को राष्ट्र की रक्षा करनी चाहिए।'' कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, ''पैंगोंग झील पर चीन द्वारा दूसरे पुल के निर्माण पर विदेश मंत्रालय का बयान विरोधाभासी है। विदेश मंत्रालय को सही जानकारी नहीं है तो रक्षा मंत्रालय स्थिति को स्पष्ट क्यों नहीं करता, आखिर देश को अंधेरे में क्यों रखा जा रहा है उन्होंने सवाल किया, ''क्या यह सही नहीं है कि चीन पूर्वी लद्दाख के पैंगोंग झील वाले जिस इलाके में पुल का निर्माण कर रहा है उसे भारत दशकों से चीन द्वारा अनधिकृत 'क़ब्ज़े वाला क्षेत्र मानता है? ऐसे में विदेश मंत्रालय की ताजा टिप्पणी से असमंजस की स्थिति पैदा होती है।'' खेड़ा ने दावा किया, ''कूटनीति में भाषा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। जहां हमारी वीर सेना दुश्मन को मुंह तोड़ जवाब देती है, वहीं सरकार की ऐसी ढुलमुल टिप्पणी देश के हौसले का मजाक उड़ाती है।

तकनीकी खराबी के कारण एयर इंडिया के विमान का इंजन आसमान में बंद, मुंबई एयरपोर्ट में हुई आपात लैंडिंग

नई दिल्ली (ईएमएस)। निजी क्षेत्र की टाटा समूह द्वारा संचालित अग्रणी कंपनी एयर इंडिया का ए320नियो विमान उड़ान भरने के महज 27 मिनट बाद मुंबई हवाईअड्डे पर वापस लौट आया क्योंकि तकनीकी खराबी के कारण इसका एक इंजन बीच हवा में ही बंद हो गया था। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि गुरुवार को दूसरे विमान से यात्रियों को उनके गंतव्य बेंगलुरु के लिए रवाना किया गया। सूत्रों के मुताबिक, उड्डयन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय इस घटना की जांच कर रहा है। एयर इंडिया के ए320नियो विमानों में 'सीएफएम' के लीप इंजन लगे होते हैं। ए320नियो विमान के पायलट को सुबह नौ बजकर 43 मिनट पर छत्रपति शिवाजी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से विमान के उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद एक इंजन में गड़बड़ी की चेतावनी मिली।

सूत्रों ने बताया कि इंजन बंद होने के बाद सुबह 10 बजकर 10 मिनट पर विमान वापस मुंबई हवाईअड्डे पर उतारा गया। घटना के बारे में पूछे जाने पर एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा 'एयर इंडिया सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। हमारे चालक दल इन स्थितियों से निपटने में अच्छी तरह से माहिर हैं। हमारे इंजीनियरिंग और रखरखाव दलों ने तुरंत इसकी जांच शुरू कर दी है।' प्रवक्ता ने बताया कि यात्रियों को दूसरे विमान से बेंगलुरु के लिए रवाना किया गया।

जन हितैषी

प्रदूषण जानलेवा

भारत में हर तरह के प्रदूषण के कारण वर्ष 2019 में दुनिया में सर्वाधिक 23.5 लाख से ज्यादा समय पूर्व मौतें हुई हैं। इसमें से 16.7 लाख मौतें सिर्फ वायु प्रदूषण के चलते हुई हैं। द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक नए अध्ययन में यह दावा किया गया है। अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार भारत में वायु प्रदूषण से हुई मौतों में से भी सर्वाधिक 9.8 लाख मौतें आबोहवा में घुले धूल के कणों से प्रदूषण के कारण हुईं। हवा में मौजूद ये छोटे प्रदूषण कण ढाई माइक्रोन या उससे कम चौड़ाई के होते हैं। वायु प्रदूषण के कारण हुईं शेष 6.1 लाख मौतें घरेलू वायु प्रदूषण की वजह से हुईं। विश्व स्तर पर देखें तो 2019 में प्रदूषण के कारण 90 लाख मौतें हुई हैं। यह संख्या दुनियाभर में हर छह मौतों में से एक के बराबर है। इन 90 लाख मौतों में से 66.70 लाख मौतों की वजह घरेलू प्रदूषण व वातावरण में फैले प्रदूषण है। देश में अगर हर महीने लगभग दो लाख से ज्यादा मौतें सिर्फ वायु प्रदूषण के कारण हो रही हों, तो यह वाकई चौंकाने वाली बात है। इसे सुन कर किसी को भी फिक्र हो सकती है। वायु प्रदूषण से पैदा रोगों से होने वाली मौतों को लेकर भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने मिल कर देश में एक अध्ययन कराया था। इसमें पता चला था कि राजधानी दिल्ली में रोजाना 34 लोग ऐसी बीमारियों से मर रहे हैं जो हवा के जहरीली होने से हो रही हैं। इन बीमारियों में सांस नली और फेफड़े के संक्रमण और कैंसर, दिल का दौरा और मधुमेह जैसी बीमारियां हैं। पिछले साल देश भर में वायु प्रदूषण की वजह से 12 लाख लोग मारे गए। इनमें करीब सात लाख लोग दूषित हवा और पांच लाख से ज्यादा लोग घर में होने वाले प्रदूषण की वजह से मारे गए थे। ये आंकड़े यह साबित करने के लिए पर्याप्त हैं कि प्रदूषण से निपटने के मोर्चे पर हमारा तंत्र विफल रहा है। हालात देख कर तो यही लग रहा है कि इस समस्या से निपटने के लिए सरकारों ने अपने को एक तरह से लाचार घोषित कर डाला है। वरना इसकी वजह से होने वाली मौतों का आंकड़ा लाखों में नहीं होता। वायु प्रदूषण को लेकर पिछले कुछ सालों में जिस तरह से सर्वोच्च अदालत तक चिंता जाहिर कर चुका है, वह हालात की गंभीरता को बयान करता है। दिल्ली में हर साल ऐसी स्थिति पैदा होना सामान्य बात हो गई है जब पूरा महानगर और इससे सटे शहर धुएं की चादर में लिपट जाते हैं। वायु प्रदूषण से निपटने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कई बार कड़ा रुख अख्तियार किया और सरकारों व संबंधित महकमों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए। लेकिन स्थिति जिस तेजी से भयावह होती जा रही है, उसे देखते हुए लग रहा है कि प्रदूषण रोकने की सारी कवायद बेअसर साबित हो रही हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है कि इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए सरकार के पास कोई ठोस और दूरगामी योजना नहीं है। दिल्ली में सालों से कचरे के पहाड़ खड़े हैं और इनमें जब-तब आग लगती रहती है। इससे उठने वाला धुआं कई किलोमीटर की परिधि को अपने दायरे में ले लेता है। वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण डीजल से चलने पांच लाख से ज्यादा ऐसे वाहन हैं जिनकी अवधि खत्म हो चुकी है। लेकिन इन गाडियों के सड़कों पर आने से रोक पाने में सरकार लाचार साबित हुई है। दिल्ली के रिहायशी इलाकों में चलने वाली लघु उद्योग इकाइयों पर कोई लगाम नहीं लग पाई है। मध्यप्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, केरल, कर्नाटक, ओडिशा उन राज्यों में हैं जहां घरेलू वायु प्रदूषण लोगों के लिए ज्यादा घातक सिद्ध हो रहा है। सबसे बड़ी समस्या घरों में इस्तेमाल होने वाला ईंधन और स्वच्छता है। इन राज्यों में आज भी लोग कोयले, लकड़ी, किरासन जैसे ईंधन का इस्तेमाल करने को मजबूर हैं। ये आंकड़े हमें आगाह कर रहे हैं कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए तो प्रदूषण से होने वाली मौतों का ग्राफ तेजी से बढ़ेगा।

दुविधा में देश मंदिर-मस्जिद विवादः वारिस कौन.... सियासत मौन....!

'अयोध्या काण्ड' के बाद अब उसी तर्ज पर देश में आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर मंदिर मस्जिद विवाद शुरू हो गया है, जिसकी अगुवाई इन दिनों बनारस (काशी) स्थित ज्ञानवापी मस्जिद विवाद कर रहा है, इसके बाद अब मथुरा, धार सहित देश के अन्य आधा दर्जन स्थानों पर यही विवाद शुरू हो गया है। इन विवादों में यदि इन धरोहरों के वारिस का सवाल सामने आया है तो इन सारे संदर्भों में देश की सियासत पूरी तरह मौन है, जबकि सब जानते है कि इन विवादकर्ताओं को संरक्षण इन्हीं मौनधारी सियासतदारों का मिल रहा है और आश्चर्य यह कि इस विवाद का नेतृत्व करने वाले क्षेत्र के सांसद स्वयं प्रधानमंत्री जी है, किंतु वे भी पूरी तरह मौन धारण किये हुए है और अब सब कुछ न्यायपालिका के सहारे छोड़ दिया गया है। दूसरे विवादित क्षेत्र कृष्ण जन्मभूमि का राजनीतिक नेतृत्व वरिष्ठ अभिनेत्री हेमा मालिनी जी करती है और वे भी मौन है।

आश्चर्य तो यह है कि इन हालातों में पूरी सियासत मौन धारण किये हुए है न सत्ताधारी कुछ बोल रहे है और न कोई विपक्षी दल ही। सभी को शायद अपने वोट बैंक की चिंता है, इन विवादों से यह तो तय माना जा रहा है, हिन्दूवादी पार्टी भाजपा से तो मुस्लिम वोट तो पूरी तरह दूर हो ही जाएगा, वैसे भी भाजपा के पास 'मुस्लिम सपोर्ट' बहुत ही कम रहा है, किंतु जहां तक गैर भाजपाई दलों का सवाल है, वे भी इस विवाद पर बोलकर हिन्दू या मुसलमान दोनों ही वर्गों में से किसी को भी नाराज कर अपना वोट कम नहीं करना चाहते, यह भी इनके मौन धारण का मुख्य कारण है, जबकि दूसरी ओर गैर भाजपाई दलों के बीच इस बात की स्पर्द्धा शुरू हो गई है कि अब मुस्लिम वोट कौन कबाड़ सके? इसलिए ये गैर भाजपाई दल मौन रहकर भी दिल से मुस्लिमों को सहयोग करने का कार्य कर रहे है, चूंकि वे यह भी नहीं चाहते कि उनका पारम्परिक हिन्दू वोट उनसे छिटककर दूर चला जाए, इसलिए वे खुलकर मुस्लिमों का सहयोग नहीं कर रहे हैं।

यद्यपि आज पूरा देश यह जानता है कि सियासी माहौल के तहत आज पूरी राजनीति व देश व राज्य की सरकारों पर विराजित राजनेता ही इन विवादों का मौन संचालन कर रहे है और यह बात हर मुस्लिम नेता या वोटर भी जानता है, किंतु अभी किसी भी और से इन विवादों में किसी राजनीतिक दल या नेता ने प्रवेश या हस्तक्षेप नहीं किया है।

अब चाहे इन विवादों में सियासत भागीदार बने या नहीं बनें? किंतु इन विवादों से मुख्य रूप से प्रभावित तो वही होने वाली है। अर्थात् उदाहरण स्वरूप बनारस संसदीय क्षेत्र में लोकप्रियता के कारण आदरणीय मोदी जी को जो पिछले दो चुनावों में मुस्लिम वोट मिले थे, वे शायद अब अगले चुनाव में उन्हें नहीं मिल पाए? क्योंकि अब देश का आम वोटर आजादी के पचहत्तर सालों बाद इतना भोला और अज्ञानी नहीं हरा कि वह सियासतदारों की सियासत को समझ नहीं पाए, अब इस समय वाराणसी क्षेत्र का हर वोटर यह जानता है कि इस मंदिर मस्जिद विवाद को मौन संरक्षण किसका व किस सीमा तक मिल रहा है? और.... केन्द्र तथा राज्य सरकारें इस मामले में मौन क्यों है?

इन्हीं स्थिति-परिस्थितियों पर गौर करते हुए अभी से ये कयास लगना शुरू हो गए है कि संभव है, मोदी जी अगला लोकसभा चुनाव अपने गुजरात से ही लड़े, क्योंकि उनका यह संसदीय क्षेत्र विवादित क्षेत्र की परिधि में आ गया है, जहां तक इसी संदर्भ में गैर भाजपाई दलों विशेषकर कांग्रेस व समाजवादी दल का सवाल है ये फिलहाल कुछ बोलकर अपने मुस्लिम वोट बैंक खुद ही सेंध लगाना नहीं चाहते, साथ ही जो भाजपा से नाराज हिन्दू वोट है, उसे भी खोना नहीं चाहते, इसलिए अभी वे ''तेल देखो-तेल की धार देखो'' की मुद्रा में है।

इसलिए कुल मिलाकर इन मंदिर मस्जिद विवादों का सियासी असर चाहे अभी नजर नही आए, किंतु ये विवाद सियासत पर अपनी छाप छोड़े बिनानहीं रहेगें, इसी कल्पना में खोया हर सियासतदार मौन तथा चिंतित मुद्रा में लीन है, अब देखिये आगे आगे होता है क्या? (लेखक- ओमप्रकाश मेहता /ईएमएस)

शब्द पहेली - 7292

बाएँ से दाएँ

1. पैगंबर, खुदाई रहनुमा-4
4. कारगुजारी, करिश्मा-4
7. दौड़ना (अंग्रेजी -2)
8. पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
9. गहराई-2
10. राय, वोट-2
12. आलीशान, उदार-3
14. नकारना, इंकार करना-2,3
15. चोरी करना-2,3
17. राशन, खाद्य सामग्री-3
19. गन्ना-2
21. हर रोज, प्रतिदिन-2
23. वाद्य बजाने वाला-3
24. शारीरिक ऊंचाई-2
25. जहां ताजिए दफन करते हैं-4
26. महीन व मूल्यवान कपड़ा-4

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, हर पल, सदैव-4
2. जनता, लोक-2
3. द्रव पदार्थ-3
4. नागपुर के पास का एक कस्बा जहां जापान के सहयोग से भव्य बौद्ध मंदिर बना है-4
5. और, एवं-2
6. मन भटकाना-4
11. झगड़ा, कहासुनी-4
13. कोमलता-4
14. राजी करना-3
15. सहखिलाड़ी-4
16. चौकीदार, प्रहरी-4
18. कीचड़ -4
20. नगद राशि-3
22. पानी से सराबोर-2
24. थोड़ा, जरा-2

शब्द पहेली -7291 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

राजीव गांधी के हत्यारे की रिहाई, दम टूट गया न्याय का!

देश दुनिया ही नही भारतीय न्याय व्यवस्था के लिए भी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्यारे का यूं बच निकलना बेहद शर्मनाक है।इसके लिए दोषी कौन है,यह तो सर्वविदित है लेकिन इन दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही क्यो नही हुई यह भी सवाल उठना लाजमी है।शिथिल न्याय प्रणाली के चलते यह पहला मामला नही है जिसमे दोषसिद्ध हत्यारा रिहा हुआ हो,लेकिन इस लचर प्रणाली में सुधार कब और कौन करेगा,इसका जवाब किसी के पास नही है।सच मे कितनी अजीब न्याय व्यवस्था है जहां पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या हो जाती है, मगर हत्या के 31 साल बाद भी किसी को फांसी नहीं हो पाती है। जबकि 23 साल पहले फांसी की सजा का ऐलान भी हो गया था, मगर 4 दोषियों के लिए वो फंदा नहीं तैयार हो पाया, जिससे सजा पूरी की जा सके। सालों तक दया याचिका पर कोई निर्यण ना होना। अंततः सुप्रीम कोर्ट द्वारा राजीव गांधी की हत्या के दोषियों में से एक दोषी ए.जी पेरारीवलन की रिहाई का आदेश दे देना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 21 मई सन 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में हत्या की गई थी।उसके बाद शुरू हुई न्यायिक कार्रवाईयों को चलते हुए तीन दशक से ज्यादा का समय हो चुका है। राजीव गांधी की हत्या के दोषी ए.जी. पेरारीवलन की रिहाई का रास्ता सुप्रीम कोर्ट के द्वारा खोल दिया गया। पेरारिवलन पर आरोप था कि हत्याकांड में जिस आत्मघाती जैकेट का इस्तेमाल हुआ था, उसमें लगने वाली बैटरी पेरारिवलन ने सप्लाई की थी। 9 वोल्ट की बैटरी कोर्ट में साबित भी हो गई कि पेरारिवलन ने हत्या के मास्टरमाइंड शिवरासन को बैटरी खरीदकर दी थी।जिस समय ये घटना हुई पेरारिवलन 19 साल का था। उसने आईटीआई पास की हुई थी। वह पिछले 31 सालों से सलाखों के पीछे था और अपनी फांसी का इंतजार कर रहा था।

सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 142 के विशेषाधिकार के तहत उसकी रिहाई का फैसला दिया है। संविधान में सुप्रीम कोर्ट को अनुच्छेद 142 के रूप में खास शक्ति मिली है, जिसके तहत किसी व्यक्ति को पूर्ण न्याय देने के लिए कोर्ट जरूरी निर्देश दे सकता है। संविधान के अनुच्छेद 142 के मुताबिक जब तक किसी अन्य कानून को लागू नहीं किया जाता तब तक सुप्रीम कोर्ट का आदेश सर्वोपरि होगा।इसके तहत कोर्ट ऐसे फैसले दे सकता है, जो लंबित पड़े किसी भी मामले को पूर्ण करने के लिए जरूरी हों।

21 मई सन 1991 को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी

जिंदाबाद के नारों के बीच दो अनजानी महिलाएं थी।एक मानव बम धनु और दूसरी उसकी बैकअप शुभा। प्लान था कि अगर धनु नाकाम होती है तो शुभा इस काम को अंजाम देगी। एक तीसरी महिला भी थी, अथिराई जो दिल्ली के मोतीबाग इलाके में थी।जो प्लान का तीसरा हिस्सा था।अगर धनु और शुभा दोनों नाकाम होती तो दिल्ली में अथिराई राजीव गांधी पर हमला करती।

रैलीस्थल पर डी घेरे की सुरक्षा में तैनात दारोगा अनसुइया को वीआईपी पास लिए धनु का हाव भाव और परिधान देख शक हुआ था, वो उसे पीछे धकेल देती हैं। थोड़ी देर बाद राजीव गांधी की एंट्री हुई तो धनु ने फिर घेरे में घुसने की कोशिश की। अनसुनइया ने धनु का हाथ पकड़ रोक रखा था।उधर से राजीव गांधी की आवाज आती है,उन्होंने कहा सभी को आने दीजिए। धनु आगे बढ़ी, राजीव गांधी को चंदन की माला पहनाई, उनके पैर छूने के लिए झुकी, जैसे ही राजीव गांधी उसे झुककर ऊपर उठाने लगे,ब्लास्ट हो गया। जोर की आवाज के साथ चीख-पुकार और अंतहीन ह्द्रल्ढ्द्रछछ्छछ्छ्., धुआं छटा तो लाशें बिछ चुकी थी। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के अलावा धरमन, पुलिस कॉन्स्टेबल

सांथनी बेगम, महिला कांग्रेस नेता

राजगुरु, पुलिस इंस्पेक्टर

चंद्रा, पुलिस कॉन्स्टेबल

एडवर्ड जोसफ, पुलिस इंस्पेक्टर

मोहम्मद इकबाल, पुलिस सुप्रीटेंडेंटलता कनन, महिला कांग्रेस नेताकोकिलावानी, लता कनन की बेटीडायारिल पीटर्स- ऑब्जर्वर मुन्नूस्वामी, पूर्व विधायक सरोजा देवी, कॉलेज स्टूडेंट प्रदीप गुप्ता, पीएसओ, राजीव गांधी इथिराजू

मुरुगन, पुलिस कॉन्स्टेबल

रविचंद्रन, ब्लैक कैट कमांडो

की जान जा चुकी थी।मानव बम धनु भी मारी गई थी। राजनीतिक उथल-पुथल के माहौल में एसआईटी गठित हुई। गिरफ्तारियां हुईं। एनकाउंटर भी हुआ।सीबीआई को जांच सौंप दी गई।दर्जनों गिरफ्तार किए गए। तीसरी लड़की अथिराई को दिल्ली से पकड़ा गया। शुभा और मास्टरमाइंड शिवरासन की तलाश शुरू हुई। मगर जब तक पुलिस उनके पास पहुंचती। शुभा ने जान दे दी और शिवरासन ने खुद को गोली मार ली। बाकी आरोपियों को पकड़ कर ट्रायल चलाया गया।सुरक्षा में खामी की जांच जस्टिस जे. एस. वर्मा आयोग ने की। रिपोर्ट आई तो पाया कि सुरक्षा व्यवस्था तो ठीक थी, मगर पार्टी की स्थाई ईकाई ने सुरक्षा व्यवस्था के मानकों का पालन नहीं किया था।

सीबीआई ने ये साबित कर दिया था कि हत्या और साजिश को अंजाम आतंकी संगठन लिट्टे ने दिया था।आखिर स्पेशल कोर्ट ने 26 आरोपियों को दोषी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई। इसमें मुख्य आरोपी थे मुरुगन, पेरारीवलम, सांतन, नलिनी, रॉबर्ट पायर्स, जयकुमार और आर रविचंद्रन।सन 1999 में इस पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया। कइयों की रिहाई हुई। सिर्फ सातों की फांसी की सजा बरकरार रही।आगे चलकर इनमें से नलिनी की फांसी को सोनिया गांधी ने खुद ह्यूमनटेरियन ग्राउंड पर माफ कराया।सन 2008 में प्रियंका गांधी नलिनी से वेल्लोर जेल में जाकर मिली थीं। डीआईजी अमोद कांथ का कहना है कि हत्या करने वाले ज्यादातर लोग मारे जा चुके थे। अब ट्रायल उन लोगों पर चल रहा था, जिनपर षडयन्त्र में शामिल होने का आरोप था। सीबीआई को ये केस खोलने में सबसे ज्यादा मदद एक कैमरे से मिली, जिसका कैमरामैन जाने-अनजाने में हमला करने वाले दस्ते का हिस्सा था। सीबाआई मानती है कि ये लोग सीधे साजिश में शामिल थे।

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने राजीव गांधी के हत्यारे की रिहाई पर बीजेपी पर निशाना साधा है।सुरजेवाला ने कहा कि राजीव गांधी के हत्यारे को छोड़ दिया गया है, प्रधानमंत्री मोदी बताएं कि क्या यही राष्ट्रवाद है। सुरजेवाला ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को भी दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है।उन्होंने कहा कि यह फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि कोर्ट ने राजीव गांधी के एक हत्यारे को रिहा कर दिया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के तत्कालीन गवर्नर बनवारी लाल पुरोहित और राष्ट्रपति के समय से फैसला नहीं लेने की वजह से उच्चतम न्यायालय ने ये फैसला दिया है। इससे करोड़ों भारतीय नागरिकों की भावना आहत हुई हैं।लेकिन मोदी सरकार उंक्त मुद्दे पर चुप है।इसी तरह लचर व्यवस्था के चलते हत्यारे रिहा होते रहे तो अराजकता के हालात पैदा हो सकते है। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस)

क्या चिंतन के बाद कम होगी कांग्रेस की चिंता?

वर्तमान में कांग्रेस पार्टी ने गंभीर चिंतन कर लिया है, लेकिन इस चिंतन में नया कुछ भी नहीं निकला। कांग्रेस के चिंतन शिविर की मुख्य अवधारणा चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की सुझाई गई बातों पर पर ही केंद्रित होती दिखाई दी। चिंतन के बाद राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान इसी पर है कि अब क्या कांग्रेस की चिंता कम होगी। क्योंकि आज की कांग्रेस की स्थिति को देखकर यही कहा जा सकता है कि कांग्रेस को जिस चिंतन की आज से आठ साल पूर्व आवश्यकता थी, वह अब हुआ है। यानी कांग्रेस ने अपनी पार्टी को दुर्गति से बचाने के लिए बहुत देर कर दी। कांग्रेस को इस प्रकार के चिंतन की आवश्यकता बहुत पहले से रही है, लेकिन कांग्रेस के नेतृत्व ने मात्र इसी बात पर चिंतन किया कि पूरी कांग्रेस पार्टी की कमान गांधी परिवार के पास कैसे रहे? गत दो लोकसभा चुनावों के बाद कांग्रेस के भीतर नेतृत्व बदलाव को लेकर आवाज उठी भी थी और गैर कांग्रेस दलों ने परिवारवाद के नाम पर कांग्रेस को इस प्रकार से घेरा कि कांग्रेस का दायरा सिमट गया। इतना होने के बाद भी कांग्रेस एक परिवार के एकाधिकार से बाहर नहीं आ सकी है। कांग्रेस के चिंतन शिविर में भी पूरी कवायद गांधी परिवार के आसपास ही रही।

कांग्रेस के चिंतन शिविर में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कांग्रेस नेताओं को जनता के बीच जाना होगा। यानी राहुल गांधी ये तो मानने को तैयार हो गए हैं कि कांग्रेस के नेताओं की जनता से दूरी बढ़ी है। इस चिंतन को एकतरफा निरूपित किया जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी, क्योंकि कांग्रेस का राजनीतिक अस्तित्व कमजोर होने का कारण कांग्रेस नेताओं की बजाय जनता की दूरी भी हो सकती है। कांग्रेस के चिंतन का आधार यह होना चाहिए था कि जनता कांग्रेस से दूर क्यों होती जा रही है। अगर इस पर चिंतन किया जाता तो वे तमाम बातें भी सामने आ जाती जो कांग्रेस के कमजोर होने का मुख्य कारण है। इसमें कांग्रेस नेताओं की कार्यशैली भी जिम्मेदार है। जिसके कारण भारत की जनता कांग्रेस से दूर होती चली गई। कांग्रेस की कार्यशैली की बात करें तो तमाम प्रकार की बातें दिखाई देती हैं, जिसमें एक प्रमुख बात यह भी है कि जिस प्रकार से राहुल गांधी अपने को हिन्दू होने के लिए प्रमाण प्रस्तुत करते हैं, वह नितांत झूंठ है। क्योंकि यह सभी जानते हैं कि राहुल फिरोज खान का नाती है। और उसी खानदान का अंश है। दूसरी बड़ी बात यह भी है कि अगर राहुल गांधी हिन्दू मानते हैं तो उस समय उनका खून खौल जाना चाहिए, जब देश में रामनवमी और हनुमान जन्मोत्सव पर पत्थर बरसाए जा रहे थे, लेकिन ऐसा लगता है कि राहुल का हिंदुत्व प्रेम केवल चुनावों के समय ही जाग्रत होता है। इस प्रकार की मानसिकता को देश की जनता भलीभांति समझती है।

हालांकि जब से कांग्रेस अधोगति के मार्ग पर बढ़ी है, तब से ही कांग्रेस के नेताओं द्वारा कांग्रेस की दशा सुधारने को लेकर बयान दिए हैं, लेकिन उनकी आवाज पर कांग्रेस नेतृत्व ने कोई चिंतन नहीं किया। अगर उस समय ही कांग्रेस विचार करने के लिए तैयार हो जाती, तो संभवतः आज इस प्रकार का चिंतन करने की आवश्यकता नहीं होती। कांग्रेस के बड़े नेता आज या तो गांधी परिवार के सहारे राजनीति कर रहे हैं या फिर किनारे पर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक बार जयराम रमेश ने खुले अंदाज में कहा था कि कांग्रेस में अब बुजुर्ग नेताओं के दिन बीत चुके हैं। इसका तात्पर्य यह भी है कि राजनीतिक अस्तित्व रखने वाले कांग्रेस के नेता केवल अपनी दम पर ही कांग्रेस में टिके हुए हैं। हम यह भी जानते हैं कि जनाधार वाले कांग्रेस आज या तो कांग्रेस से दूर जा चुके हैं या फिर जाने का प्रयास कर रहे हैं। ये स्थिति क्यों बन रही है, कांग्रेस को इस पर भी चिंतन करना चाहिए था, लेकिन आज की कांग्रेस इस पर क्यों चिंतन करना नहीं चाहती, यह भी बड़ा सवाल है।

कांग्रेस के चिंतन शिविर को लेकर यह भी सवाल उठ रहे हैं कि कांग्रेस को इस समय चिंतन करने की आवश्यकता क्यों हो रही है? इसके पीछे यही कहा जा रहा है कि कांग्रेस को सत्ता चाहिए। मात्र सत्ता के लिए ही यह सब कवायद की जा रही है। इसके लिए कांग्रेस नेतृत्व परिवर्तन भी कर सकती है, लेकिन ऐसा भी लगता है कि वह मात्र जनता को भ्रमित करने के लिए ही होगा। उनका उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना ही है। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि कुछ राज्यों में विधानसभा चुनावों की तैयारी करने के लिए यह चिंतन किया गया है। ऐसे में सवाल यह भी उठ रहा है कि कांग्रेस के चिंतन शिविर में क्या उन बातों पर भी चर्चा हुई होगी, जो नेतृत्व को लेकर उठाए जा रहे थे। सुना यह भी जा रहा है कि इस शिविर में मात्र उन्हीं लोगों को शामिल करने का अवसर दिया गया, जो सोनिया गांधी और राहुल गांधी की कृपा पर राजनीति की मुख्य धारा में बने हुए हैं। कांग्रेस अगर वर्तमान में प्रासंगिक नेताओं पर ध्यान दे तो उसे चिंतन करने की आवश्यकता नहीं होगी, लेकिन कांग्रेस ऐसा करेगी, इसकी गुंजाइश कम ही है।

अभी हाल ही में चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर द्वारा जिस प्रकार से कांग्रेस को आइना दिखाया, वह एक कांग्रेस के लिए बड़ा झटका जैसा ही था। राजनीतिक गुणा भाग करने वाले चिंतक इसका एक अर्थ यह भी निकालते हैं कि प्रशांत किशोर ने गंभीर चिंतन करने के बाद ही कांग्रेस में शामिल होने से इसलिए ही इनकार किया है, क्योंकि अंदरूनी तौर पर कांग्रेस के पास वह राजनीतिक प्रभाव नहीं बचा है, जो उसे उत्थान के मार्ग पर ले जाने में समर्थ हो सके। कांग्रेस के कमजोर होते जाने का एक बड़ा कारण यह भी माना जा सकता है कि कांग्रेस के नेता बिना सोचे कोई भी बयान दे देते हैं। कांग्रेस जिस प्रकार से देश की सरकार को बदनाम करने में अपनी शक्ति लगा रही है, अगर वही शक्ति अपनी पार्टी की दशा सुधारने में लगाए तो बहुत संभव है कि कांग्रेस की स्थिति सुधर जाए, लेकिन ऐसा इसलिए भी नहीं लग रहा है, क्योंकि कांग्रेस को आज भी यही लगता है कि मात्र वे ही देश को चलाने के लिए पैदा हुए हैं। कांग्रेस को इस प्रकार की मानसिकता से बाहर निकलना होगा। इसके अलावा आज कांग्रेस की विसंगति यह भी है कि वह सरकार के कामकाज में कमियां देखने में ही अपना सारा समय लगा रही है। जो समय के हिसाब से अनुकूल नहीं कहा जा सकता। आज का समय यही कहता है कि जो सच है, उसे सच मान लेना चाहिए। झूठ के सहारे लम्बे समय तक राजनीति नहीं की जा सकती। कांग्रेस को सच को स्वीकार करने का साहस दिखाना चाहिए, फिर चाहे वह सच सरकार का हो या फिर गैर कांग्रेसी दलों का। इसी प्रकार झूठ या देश विरोधी बातें कोई भी करता हो, उसका विरोध करने का सामर्थ्य भी पैदा करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने उन लोगों का भी साथ दिया, जो देश को तोड़ने की बात करते हैं। कांग्रेस के चिंतन शिविर में इस बात का भी चिंतन होना चाहिए कि उसके नेताओं को सरकार की सभी बातों का विरोध करना चाहिए या कुछ बातों का समर्थन भी करना चाहिए। अगर कांग्रेस के चिंतन शिविर में यह चिंतन का विषय नहीं है तो कैसा चिंतन। दूसरी बड़ी बात यह है कि कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की बात भी लम्बे समय से उठ रही है, लेकिन चिंतन शिविर में नेतृत्व परिवर्तन पर कितनी बात हुई, इसकी परिणति आने वाला समय ही बता सकता है। चिंतन शिविर के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व में बदलाव दिखेगा, ऐसा कहा नहीं जा सकता, क्योंकि अभी तक यही माना जाता है कि सोनिया गांधी पुत्र मोह के चलते राहुल के सिंहासन को डिगाना नहीं चाहतीं। इसके पीछे यह भी कारण हो सकता है कि राहुल गांधी के पास इतनी योग्यता नहीं है कि वह अपनी दम पर कांग्रेस की कमान संभाल सकें। अब देखना यह है कि चिंतन शिविर के बाद कांग्रेस कौन से रास्ते पर जाती है? (लेखक-- सुरेश हिन्दुस्थानी/ईएमएस)

आज का इतिहास 21 मई

1471 इंग्लैंड नरेश हेनरी छठे की मौत टावर ऑफ लंदन में हुई.

1813 नेपोलियन बोनापोर्ट और प्रसिया तथा रूस के बीच बाजेन की लड़ाई में हजारों लोग मारे गए.

1927 उड़ान के क्षेत्र में अग्रणी अमरीकी चार्ल्स ए. लिंडबर्ग पेरिस पहुंचे.

1927 बाजीराव प्रथम गद्दी पर बैठे.

1927 विमान से माल ढोने की शुरुआत कलकत्ता और बागडोगरा के बीच हुई.

1935 क्वेटा भूकंप से तबाह हो गया.

1944 मित्र राष्ट्रों ने इटली में हिटलर की रक्षा पंक्ति को तोड़ दिया.

1965 अमेरिका ने पहली बार हाइड्रोजन बम का विस्फोट किया.

1967 ब्रुसेल्स में एक स्टोर में आग लगने से तीन सौ से अधिक लोग मारे गए.

1970 पश्चिम और पूर्वी जर्मनी के बीच शिखर सम्मेलन बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गया.

1991 राजीव गांधी की मौत बम विस्फोट से हुई.

1992 बैंकॉक में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों के बीच चार दिन तक चले संघर्ष के बाद शांति बहाल हुई.

2000 त्रिपुरा में आदिवासी छापामारों ने 20 लोगों की हत्या की.

2000 गोदरेज कंपनी समूह के अध्यक्ष सोहराब पी.गोदरेज का निधन.

2001 मणिपुर में विश्वासमत के दौरान कोइजामा की सरकार का पतन.

2002 हुर्रियत कांफ्रेंस के वरिष्ठ नेता अब्दुल गनी लोन की गोली मारकर हत्या.

निखत ने विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण जीतकर अपने को साबित किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की युवा महिला मुक्केबाज निखत जरीन ने 52 किलोग्राम वजन वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। निखत ने खिताबी मुकाबले में थाईलैंड की जितपोंग जुटामेंस को 5-0 से पराजित किया। इसी के साथ ही निखत विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पांचवीं भारतीय महिला मुक्केबाज बनी हैं।

निखत अब 6 बार की विश्व चैम्पियन एमसी मैरीकॉम जैसी खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गयी हैं पर इसके लिए इस युवा मुक्केबाज को लंबा रास्ता तय करना पड़ा। पहले कंधे की चोट के कारण निखत साल 2017 में मुक्केबाजी रिंग में नहीं उतर पाईं थीं पर अब पांच साल के बाद उसे विश्व चैम्पियनशिप में सफलता मिली है। निखत के पिता ने कहा, विश्व चैंपियनशिप में उसके इस स्वर्ण पदक से हर लड़की जिंदगी में बड़ा लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी।

निखत ने जब 2000 के दशक में मुक्केबाजी शुरू की तो निजामाबाद या हैदराबाद में महिला मुक्केबाज किसी प्रतिस्पर्धा में बेहद थीं। इसके बाद भी उनके पिता ने निखत को मुक्केबाज बनने से कभी नहीं रोका। मुक्केबाजी में लड़कियों को ट्रेनिंग या बाउट के दौरान शॉर्ट्स और टी-शर्ट पहनना पड़ता है इसको लेकर करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों ने आपत्ति भी जाहिर की थी पर निखत के माता-पिता ने इन बातों को खारिज कर दिया। इसी कारण आज वह यहां तक पहुंची है।

खेल - समाचार

सिंधु थाईलैंड ओपन बैडमिंटन के सेमीफाइनल में पहुंची

बैंकाक (ईएमएस)। भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। सिंधु ने क्वार्टरफाइनल में जापान की अकाने यामागुची को तीन गेमों तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले के बाद 21-15, 20-22, 21-13 से हराया। सिंधु और यामागुची के बीच यह मुकाबला एक घंटे से भी कम समय तक चला। क्वार्टरफाइनल में सिंधु ने पहला गेम आसानी से जीता हालांकि वह दूसरा गेम करीबी मुकाबले में हार गयीं।

इसके बाद निर्णायक गेम में सिंधु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विरोधी खिलाड़ी यामागुची को कोई अवसर नहीं दिया। अब सिंधु का सेमीफाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त चीन की चेन यू फेई से मुकाबला होगा। विश्व रैंकिंग में सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधु को रैंकिंग में नंबर एक खिलाड़ी यामागुची के खिलाफ मिली इस जीत से लाभ हुआ है और उनका करियर रिकार्ड 14-9 हो गया है।

आईपीएल 2022 फाइनल का समय बदला, 6.30 बजे से शुरू होकर 50 मिनट चलेगी क्लोजिंग सेरेमनी

नई दिल्ली (ईएमएस)। 29 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले आईपीएल 2022 फाइनल के समय में बदलाव किया गया है। अब यह मैच 7.30 की जगह रात 8 बजे से शुरू होगा। टी20 लीग के समापन समारोह की वजह से बीसीसीआई ने यह बदलाव किया है। आईपीएल समापन समारोह 6.30 बजे से शुरू होगा और यह 50 मिनट तक चलेगी।

समापन समारोह में बॉलीवुड के कई स्टार हिस्सा होंगे। वहीं टॉस 7.30 बजे होगा। टी20 लीग में इस बार 10 टीमें उतर रही हैं। गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया है। दोनों टीमें पहली बार टूर्नामेंट में उतर रही हैं। समापन समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा बोर्ड अगले सीजन से 7.30 बजे शुरू होने वाले मैच पहले की तरह 8 बजे कराने की तैयारी कर रहा है।

सन 2008 से 2017 तक रात के मैच 8 बजे ही शुरू होते थे। 2018 के बाद पहली बार क्लाजिंग सेरेमनी होने जा रही है। हालांकि 26 मार्च शुरू हुए टी20 लीग के 15वें सीजन का उद्घाटन कार्यक्रम नहीं हुआ था। बाद में अपेक्स काउंसिल की बैठक में क्लोजिंग सेरेमनी पर फैसला हुआ। 26 मार्च से आईपीएल का मौजूदा सीजन शुरू हुआ। 10 टीमों के होने के कारण इस बार 60 की जगह कुल 74 मुकाबले खेले जाने हैं। लीग राउंड के 70 मैच महाराष्ट्र के 4 वेन्यू पर कराए जा रहे हैं।

कोरोना के कारण बोर्ड की ओर से यह फैसला लिया गया था। लीग राउंड का अंतिम मैच 22 मई को वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के बीच होना है। नॉकआउट राउंड के मुकाबले 24 मई से शुरू होंगे। क्वालिफायर-1 और एलिमिनेटर के मुकाबले क्रमशः 24 और 25 मई को कोलकाता के ईडन गार्डंस पर होंगे। क्वालिफायर-2 और फाइनल मुकाबला 27 मई व 29 मई को अहमदाबाद में होने हैं। हालांकि टी20 लीग के इतिहास की 3 सबसे सफल टीमें पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं। सीएसके, मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। वहीं 2 नई टीमों ने कमाल का प्रदर्शन किया है।

राष्ट्रमंडल और टी20 श्रृंखलाओं के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

भारतीय टीम से होगा पहला मुकाबला

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड ने बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अपनी एकदिवसीय टीम घोषित कर दी है। इसमें विश्व कप जीतने वाली टीम ही उतरेगी। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम राष्ट्रमंडल खेलों में अपना पहला मुकाबला 29 जुलाई को भारत से खेलेगी। वहीं इसके साथ ही आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला में भी यही टीम खेलेगी। उत्तरी आयरलैंड में होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला से अंतरिम मुख्य कोच शैली निशके के मार्गदर्शन में टीम को राष्ट्रमंडल खेलों के लिए तैयारियों का अच्छा अवसर मिलेगा।

ऑस्ट्रेलिया कप्तान मेग लेनिंग की इस टीम में अनुभवी खिलाड़ी एलिस पैरी को भी शामिल किया है पर स्ट्रेस फ्रेक्चर से पूरी तरह से नहीं उबर पाने के कारण वह केवल एक बल्लेबाज के तौर पर ही खेलेंगी।

ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रमंडल टीम इस प्रकार हैः

मेग लेनिंग (कप्तान), रेशेल हेन्स, डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एशलेग गार्डनर, ग्रेस हैरिस, एलिसा हीली, जैस जोनासेन, एलेना किंग, ताहलिया मैकग्रा, बेथ मूनी, एलिस पैरी, मेगान शुट, एनाबेल सदरलैंड, अमांडा-जेड वेलिंगटन।

टी20 त्रिकोणीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का कार्यक्रम इस प्रकार है :

16 जुलाईः ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान

17 जुलाईः ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड

21 जुलाईः ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड

23 जुलाईः ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान

राष्ट्रमंडल खेलों में ग्रुप चरण में आस्ट्रेलिया का कार्यक्रमः

29 जुलाईः ऑस्ट्रेलिया व भारत

31 जुलाईः ऑस्ट्रेलिया व बारबडोस

तीन अगस्तः ऑस्ट्रेलिया व पाकिस्तान

अंकिता बिली जीन किंग जीतने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। महिला टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना बिली जीन किंग कप हार्ट अवार्ड जीतने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनी हैं। अंकिता ने एशिया/ओसनिया ग्रुप एक से यह अवार्ड अपने नाम किया। अनुभवी खिलाड़ी सानिया मिर्जा के बाद अंकिता यह अवार्ड जीतने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी हैं। यह अवार्ड उन खिलाड़ियों को मिलता है जो प्रतिष्ठा के साथ अपने देश का नेतृत्व करते हैं। इस खिलाड़ी ने अपने खेल के दौरान कोर्ट पर साहस के साथ ही अपनी टीम के लिए जो प्रतिबद्धता दिखायी उसी का यह परिणाम है।

भारत और दक्षिण अफ्रीका मैच में सौ फीसदी दर्शकों को मिलेगा प्रवेश

मुम्बई (ईएमएस)। क्रिकेट प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। अब 9 जून से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाली घरेलू सीरीज के लिए दर्शकों पर लगी सभी पाबंदियां समाप्त कर दी गयी हैं। ऐसे में अब स्टेडियम की पूरी सौ फीसदी क्षमता के अनुसार ही दर्शकों को प्रवेश मिलेगा जबकि अब तक कोरोना संक्रमण के कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दर्शकों पर पाबंदियां लगीं थी और उन्हें सीमित तादाद में ही प्रवेश दिया जा रहा था।

वहीं अब 100 फीसदी दर्शक मैदान में उतरकर मैच देख सकेंगे। कोरोना के कारण ही बीसीसीआई को दो साल तक आईपीएल देश से बाहर कराना पड़ा। आईपीएल में भी अभी तक 100 फीसदी दर्शकों को मैदान में प्रवेश नहीं मिल रहा था पर बीसीसीआई ने अगले सप्ताह होने वाले आईपीएल प्लेऑफ और फाइनल में 100 फीसदी दर्शकों को मैदान में आकर मैच देखने की अनुमति दे दी है।

दोनो ही देशों के बीच 9 से 19 जून के बीच टी20 सीरीज खेली जाएगी। पांच मैचों की इस सीरीज के लिए शिखर धवन या हार्दिक पंडया में से किसी एक को भारतीय टीम का कप्तान बनाया जा सकता है क्योंकि भारत को इसी महीने इंग्लैंड दौरे पर जाना है। ऐसे में कप्तान रोहित शर्मा , विराट कोहली सहित सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जा सकता है।

भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज का पूरा कार्यक्रम इस प्रकार है :

पहला टी20 मैच – 9 जून, अरुण जेटली स्टेडियम, दिल्ली

दूसरा टी20 मैच- 12 जून, बाराबती स्टेडियम, कटक

तीसरा टी20 मैच- डॉ वाईएस राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम, विशाखापत्तनम

चौथा टी20 मैच- सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, राजकोट

पांचवां टी20 मैच- एम चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरु

आरसीबी के प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार , पंजाब और सनराइजर्स बाहर

मुंबई (ईएमएस)। विराट कोहली की शानदार पारी से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने आईपीएल के 67वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 8 विकेट से हरा दिया। इस मैच में विराट ने सत्र का दूसरा अर्धशतक लगाने के साथ ही अपनी लय भी हासिल की। इस जीत से आरसीबी की टीम 16 अंक हासिल कर पांचवें से चौथे नंबर पर पहुंच गई है और उसके उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद बनी हुई हैं। वहीं गुजरात की टीम अभी भी 14 मैचों में 20 अंक लेकर शीर्ष पर बनी हुई जबकि लखनऊ की टीम दूसरे नंबर पर है। वहीं अन्य दो टीमों के लिए मुकाबला जारी है।

आरसीबी की जीत के साथ पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद भी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी हैं। दोनों ही टीमों के एक-एक मैच ही शेष है ओर उनके अब तक 12-12 अंक ही हुए हैं जबकि अन्य चार टीमों के 16-16 अंक हो गये हैं पर इनमें प्लेऑफ का फैसला अब रन रेट के आधार पर होगा।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही भारी लिवाली (खरीददारी) से घरेलू बाजार में यह उछाल आया है। सेंसेक्स में शामिल सभी कंपनियों के शेयरों में तेजी रही। डॉ रेड्डीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, नेस्ले, लार्सन एंड टूब्रो, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, सन फार्मा, भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी के शेयर लाभ में रहे। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,534.16 अंक करीब 2.91 फीसदी ऊपर आकर 54,326.39 अंक पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान यह एक समय 1,604.2 अंक चढ़कर 54,396.43 तक चला गया था पर इसके बाद नीचे खिसक गया। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 456.75 अंक तकरीबन 2.89 फीसदी की बढ़त के साथ ही 16,266.15 अंक पर पहुंचकर बंद हुआ।

वहीं गत दिवस बाजार में भारी गिरावट रही थी।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो चीन का शंघाई, हांगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की लाभ में रहा। वहीं यूरोपीय बाजार भी ऊपर आये जबकि अमेरिकी शेयर बाजारों में गिरावट रही।

सोना 50,551 प्र?ति दस ग्राम, चांदी 61,639 रुपए ?किलो

नई दिल्ली (ईएमएस)। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन कीमती धातुओं के दाम में जोरदार तेजी देखने को मिली। जहां एक ओर सोने की कीमत में इजाफा हुआ, वहीं चांदी का भाव भी बढ़ गया। वै?श्विक बाजार में कीमती धातुएं महंगी होने से एमसीएक्स पर शुक्रवार को सोने की कीमत में 0.66 फीसदी की तेजी दर्ज की गई और इसका भाव बढ़कर 50,551 रुपए प्रति दस ग्राम हो गया है। वहीं चांदी का भाव 1.42 फीसदी बढ़ गया। इस तेजी के साथ चांदी की कीमत उछलकर 61,639 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है।

केंद्र सरकार ने कच्चे जूट की मूल्य सीमा हटाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने 20 मई से कच्चे जूट पर 6,500 रुपए प्रति क्विंटल की मूल्य सीमा को हटाने का फैसला किया है। कपड़ा मंत्रालय ने कहा कि उम्मीद है कि इस मूल्य सीमा के हटने से किसानों, मिलों और जूट एमएसएमई क्षेत्र को मदद मिलेगी, जिसमें लगभग 40 लाख जूट किसानों के अलावा सात लाख से अधिक लोग जूट के व्यापार पर निर्भर हैं। मंत्रालय ने बताया कि जूट आयुक्त कार्यालय औपचारिक और अनौपचारिक स्त्रोतों के माध्यम से कच्चे जूट की कीमतों के बारे में जानकारी एकत्र कर रहा है और यह पाया गया है कि वर्तमान कीमतें तय मूल्य सीमा के आसपास चल रही हैं।कीमतों में घटती प्रवृत्ति से जूट के सामान के निर्यात को भी फायदा होगा, जो मूल्य के संदर्भ में उद्योग के कारोबार का लगभग 30 प्रतिशत है।

आरबीआई ने श्रीलंका के साथ व्यापार लेनदेन रुपए में निपटाने की अनुमति दी

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने श्रीलंका के साथ व्यापार लेनदेन को एशियाई समाशोधन संघ (एसीयू) तंत्र से हटकर रुपए में निपटाने की अनुमति दे दी है। आरबीआई ने निर्यातकों को श्रीलंका से भुगतान प्राप्त करने में आ रही कठिनाइयों को देखते हुए यह फैसला लिया है। तटीय देश दरअसल वर्ष 1948 में अंग्रेजों से स्वतंत्र होने के बाद अबतक के सबसे गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। केंद्र सरकार ने मार्च में आवश्यक वस्तुओं की खरीद के वित्तपोषण के लिए श्रीलंका को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की तरफ से एक अरब डॉलर की ऋण सुविधा दी थी। आरबीआई ने एक परिपत्र में कहा ?कि श्रीलंका को किए गए निर्यात की आय और ऋण सुविधा की प्राप्ति में निर्यातकों को आ रही परेशानी की वजह से इस तरह के लेनदेन को एसीयू से हटकर भारतीय मुद्रा में निपटाने का फैसला किया गया है। इस व्यवस्था के तहत भारत से पात्र वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात के लेन-देन के लिए विशेष अनुमति दी जाएगी।

मंकी पॉक्स ने मचाया हड़कंप, अमेरिका में मिले 6 संदिग्ध मामले; स्पेन में 14 पीड़ित

- कनाडा में भी दो केस मिले, 17 संदिग्ध लोगों की की जा रही है जांच

वॉशिंगटन (ईएमएस)। दुनिया भर में कोरोना वायरस की लहर धीमी पड़ने से थोड़ी राहत महसूस की जा रही है, लेकिन इस बीच मंकी पॉक्स ने चिंताएं बढ़ा दी है। इस संक्रामक रोग के 6 मरीज अमेरिका में भी मिलने की बात सामने आई है। अमेरिका के सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन का कहना है कि उसकी ओर से 6 लोगों की निगरानी की जा रही है। इन्हें मंकी पॉक्स का संक्रमण होने की आशंका जताई जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इन लोगों ने मंकी पॉक्स से पीड़ित एक व्यक्ति के साथ फ्लाइट में सफर किया था। इसी महीने की शुरुआत में ये लोग नाइजीरिया से ब्रिटेन गए थे। उस दौरान संक्रमित व्यक्ति इनके पास ही बैठा था। यह बीमारी मनुष्यों में मिलना दुर्लभ ही होता है, लेकिन बीते कुछ वक्त में कई देशों में केस मिलने से हड़कंप मच गया है। इस साल अमेरिका में इसका पहला केस मैसाचुसेट्स के एक व्यक्ति में मिला था, जो कनाडा की यात्रा करके लौटा था। यह वायरस आम तौर पर युवा पुरुषों को शिकार बनाता है। यह चूहों और बंदरों में ज्यादातर पाया जाता है। ?विशेषज्ञों का मानना है कि उनके जरिए ही यह बीमारी मनुष्यों में ट्रांसफर हुई है।

अमेरिका के अलावा कनाडा में भी इस वायरस के दो केस मिल चुके हैं। इसके अलावा 17 संदिग्ध लोगों की जांच की जा रही है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया में भी मंकी पॉक्स का एक केस मिलने की चर्चा हो रही है। फिलहाल 40 वर्षीय शख्स की जांच की गई है और टेस्ट की रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है। वह कुछ वक्त पहले ही सिडनी लौटा था और मंकी पॉक्स के लक्षण मिलने के बाद उसकी जांच की गई है। वहीं फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी पेरिस में एक संदिग्ध केस पाए जाने की बात कही है। इसका सबसे ज्यादा कहर तो स्पेन में देखने को मिल रहा है। यहां मंकी पॉक्स से संक्रमित लोगों की संख्या तेजी से बढ़ते हुए 14 हो गई है। संक्रमित पाए गए सभी लोग युवा पुरुष हैं।

मुम्बई इंडियंस को हराकर प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेगी दिल्ली कैपिटल्स

मुंबई (ईएमएस)। दिल्ली कैपिटल्स टीम आईपीएल के 15 वें सत्र के अपने अंतिम लीग मैच में शनिवार को मुम्बई इंडियंस को हराकर प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेगी उतरेगी। इस मैच में अगर टीम हारी तो उसकी संभावनाएं समाप्त हो जाएगी। ऐसे में कप्तान ऋषभ पंत की दिल्ली इस मैच में जीत के लिए पूरा जोर लगा देगी। वहीं दूसरी ओर कप्तान रोहित शर्मा की मुम्बई इंडियंस पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में वह बिना किसी दबाव के उतरेगी पर उसका लक्ष्य अपने अंतिम जीत में जीत दर्ज कर मनोबल बढ़ाना रहेगा। इस सत्र के अब तक के प्रदर्शन पर ध्यान दें तो दिल्ली की टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। उसके पास अच्छी बल्लेबाज व गेंदबाज हैं। वहीं मुम्बई का दावा कमजोर नजर आता है क्योंकि उसके कप्तान रोहित सहित टीम के अन्य बल्लेबाज भी अब तक नाकाम रहे हैं , इसके अलावा टीम की गेंदबाजी भी कमजोर हुई है।

मुंबई इंडियंस के लिए यह मैच औपचारिकता भर है। ऐसे में वह अर्जुन तेंदुलकर सहित कुछ और युवा खिलाड़ियों को इस मैच में उतार सकती है। कप्तान रोहित ने भी संकेत दिया था कि वे अंतिम मैच में कुछ नये चेहरों को उतारेंगे।

इस मैच पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) की भी नजरें रहेंगी। आरसीबी की संभावनाएं इस मैच के परिणाम पर ही निर्भर करेगी। अगर मुम्बई जीतती है तो उसे अंतिम चार में जगह मिलेगी पर अगर दिल्ली कैपिटल्स जीतती है तो वह बाहर हो जाएगी। ऐसे में आरसीबी मुम्बई को जीतते देखना चाहेगी। दिल्ली के 16 अंक हैं और उसका (नेट रन रेट +0.255) है। ऐसे में उसे शीर्ष चार में जगह बनाने के लिये इस मैच में बस मुंबई इंडियंस को हराना होगा। इस प्रकार वह आरसीबी (-0.253) के नेट रन रेट से आगे हो जाएगी। दिल्ली कैपिटल्स को 13 मैचों में से सात में जीत मिली और छह में हार का सामना करना पड़ा। बल्कि पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर पर मिली जीत से ही उन्हें लगातार दो मैचों में पूरे अंक हासिल हुए।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम के लिए इस सत्र में गेंदबाजी अधिक प्रभावी नहीं रही। तेज गेंदबाज खलील अहमद (16 विकेट) को छोड़ दें तो यह पूरे सत्र में उतार-चढ़ाव भरा रहा। शार्दुल ठाकुर ने 13 विकेट लिए पर उन्होंने काफी रन दे दिये।

सलामी बल्लेबाज के तौर पर इस मैच में पृथ्वी शॉ को अवसर मिलता है या नहीं यह देखना होगा। पिछले मैच में सरफराज खान ने अच्छी शुरुआत की थी , ऐसे में उन्हें ही उतारे जाने की संभावना ज्यादा है। मुम्बई इंडियंस की ओर से इस सत्र में दो बल्लेबाजों तिलक वर्मा ओर सूर्यकुमार यादव ने ही अच्छा प्रदर्शन किया है पर सूर्यकुमार चोटिल होने के कारण सत्र के बीच से ही बाहर हो गये जिसके बाद से टीम की बल्लेबाजी और कमजोर हुई है।

कप्तान रोहित और अनुभवी कीरोन पोलार्ड इस मैच में कैसा प्रदर्शन करते हैं यह देखना होगा।

जलवायु परिवर्तन, कोरोना और यूक्रेन युद्ध संकट से वार्षिक वैश्विक जीडीपी वृद्धि में नुकसान संभव

जनेवा (ईएमएस)। जलवायु परिवर्तन, कोरोना और यूक्रेन युद्ध जैसे संकटों का मुकाबला करने की क्षमता विकसित करने में असफल रहने पर वार्षिक वैश्विक जीडीपी वृद्धि में एक-पांच प्रतिशत तक का नुकसान हो सकता है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के एक नए शोध में यह बात कही।

डब्ल्यूईएफ ने कहा, ''जलवायु परिवर्तन, कोरोना और यूक्रेन में युद्ध जैसे संकटों से दुनिया भर में भुख, विस्थापन और असमानता से लेकर आपूर्ति श्रृंखला में बाधा, ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी और वैश्विक वृद्धि पर दबाव जैसी बाधाएं पैदा हो रही हैं।

कान फिल्म महोत्सव में दिखाई गई सत्यजीत रे की फिल्म 'प्रतिद्वंद्वी'

कान (ईएमएस)। सत्यजीत रे द्वारा 1970 में बनाई गई फिल्म 'प्रतिद्वंद्वी' को 75वें कान फिल्म महोत्सव में दिखाया गया। फिल्म में धृतिमान चटर्जी ने तेजी से बदलते शहर में भटकते एक बेरोजगार युवा की भूमिका निभाई थी। कान फिल्म महोत्सव की 'क्लासिक्स' श्रेणी में 'प्रतिद्वंद्वी' का 'रिस्टोर्ड' (पुनरुद्धार किया हुआ) प्रिंट प्रदर्शित किया गया, इस फिल्म के मूल प्रिंट में सुधार करके बनाया गया था। 'प्रतिद्वंद्वी' के प्रदर्शन के दौरान न फिल्म की निर्माता पूर्णिमा दत्ता मौजूद थीं और न ही पुनरुद्धार परियोजना के प्रमुख सुदीप चटर्जी। मुंबई के सिनेमाटोग्राफर चटर्जी ने कहा, यह मेरे लिए बेहद उत्साहित करने वाला काम था। पुनरुद्धार परियोजना का हिस्सा होना मेरे लिए बेहद गर्व की बात है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के राष्ट्रीय फिल्म धरोहर मिशन के तहत 'प्रतिद्वंद्वी' और रे की अन्य फिल्मों के पुनरुद्धार का काम किया गया है। चटर्जी ने कहा, यह दो महीने का काम था, लेकिन मैं इसमें 12-15 दिन पूर्णकालिक तौर पर शामिल रहा। 'प्रतिद्वंद्वी रे की एक अनोखी फिल्म है। इसमें 50 साल पुराने कोलकाता की झलक मिलती है। उन्होंने कहा कि 'अमेरिकन एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज' ने फिल्म के पुनरुद्धार के लिए बार-बार प्रिंट मांगा था, लेकिन निर्माता पूर्णिमा दत्ता ने इनकार कर दिया था। भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार के निदेशक प्रकाश मगदुम की ओर से बहुत अनुरोध करने के बाद 'प्रतिद्वंद्वी' का प्रिंट उन्हें पुनरुद्धार के लिए सौंपा गया। चटर्जी ने कहा, हम 'प्रतिद्वंद्वी' के मूल प्रिंट (निगेटिव) का केवल 70 प्रतिशत ही इस्तेमाल कर पाए। बाकी 30 प्रतिशत चार या पांच पॉजिटिव से बनाए गए डयूप से प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि निगेटिव की हालत को देखते हुए यह चमत्कार से कम नहीं था कि रे की इस फिल्म का पुनरुद्धार किया जा सका।

पाकिस्तान के साथ भारत वैसा ही व्यवहार करेगा, जिसके वे हकदार हैं :भारत

जिनेवा (ईएमएस)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में जम्मू-कश्मीर पर 'अनुचित टिप्पणी' करने के लिए पाकिस्तान पर निशाना साधा। भारत ने कहा कि यूएनएससी में पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की टिप्पणी एक रटी-रटाई प्रतिक्रिया है,जिसका मकसद भारत के खिलाफ गलत एवं दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार फैलाने के लिए किसी भी मंच और हर विषय का दुरुपयोग करना है। भारत की यह प्रतिक्रिया बिलावल द्वारा सुरक्षा परिषद की एक बैठक में जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद-370 के अधिकतर प्रावधानों को समाप्त करने और केंद्र-शासित प्रदेश में परिसीमन आयोग की तरफ से की गई हालिया सिफारिशों का मुद्दा उठाए जाने के बाद आई है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के दूत राजेश परिहार ने कहा, पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने अनुचित टिप्पणी की है, जो कुछ और नहीं, बल्कि एक रटी-रटाई प्रतिक्रिया है, जिसका मकसद मेरे देश के खिलाफ गलत एवं दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार फैलाने के लिए किसी भी मंच का और हर विषय का दुरुपयोग करना है। परिहार ने कहा, केंद्र-शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हमेशा भारत का अभिन्न एवं अविभाज्य हिस्सा थे, हैं और रहने वाले हैं। इनमें वे इलाके भी शामिल हैं, जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे में हैं। किसी भी देश की ओर से की गई कोई भी बयानबाजी या दुष्प्रचार इस तथ्य को नकार नहीं सकता। उन्होंने कहा, पाकिस्तान सिर्फ एक योगदान दे सकता है और वह है राष्ट्र प्रायोजित आतंकवाद पर लगाम लगाना। जहां तक उनकी अन्य टिप्पणियों का संबंध है, हम उनके साथ वैसा ही व्यवहार करने वाले हैं, जिसके वे हकदार हैं।

बतौर विदेश मंत्री अपने पहले अमेरिका दौरे पर बिलावल ने कश्मीर का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा था, जहां तक भारत के साथ हमारे रिश्तों का सवाल है, ये कश्मीर में उठाए गए हालिया कदमों से खासतौर पर जटिल हुए हैं, जिनमें पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद-370 को निष्प्रभावी घोषित करना और जम्मू-कश्मीर में परिसीमन आयोग द्वारा हाल ही में की गई सिफारिशें शामिल हैं।

सेबी की फ्रंट रनिंग धोखाधड़ी पर कड़ी नजर, फंड हाउसेज़ और ब्रोकरेज फर्मों पर कसेगी शिकंजा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूंजी बाजार की शीर्ष नियामक संस्था सेबी ने म्यूचुअल फंडों और ब्रोकरेज फर्मों के कर्मचारियों द्वारा किए जाने वाले संभावित फ्रंट रनिंग को रोकने के लिए नया तरीका निकाला है। इसके लिए सेबी अपने डेटाबेस का इस्तेमाल कर रहा है। हाल के दिनों में सेबी को फ्रंट रनिंग की कई शिकायतें मिली हैं। सेबी उन सबकी जांच कर रहा है। सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि फ्रंट रनिंग है क्या बला। दरअसल, बड़े म्यूचुअल फंड हाउस के कर्मचारी किसी स्टॉक में पैसा डालने से पहले खुद उसमें पैसा डाल लेते हैं और जब बड़े फंड हाउस का पैसा लगता है तो शेयर ऊपर जाता है। जब शेयर ऊपर जाता है तो ये लोग अपना मुनाफा निकाल लेते हैं। यह एक तरह की धोखाधड़ी है।

इसी कड़ी में ऐक्सिस म्यूचुअल फंड के भी दो फंड मैनेजरों पर फ्रंट रनिंग का आरोप लगा है। सेबी इसकी भी जांच कर रहा है। इसमें से एक फंड मैनेजर वीरेश जोशी को एक्सिस म्यूचुअल फंड ने बर्खास्त कर दिया है। ऐक्सिस एमएफ की ओर से यह जानकारी दी गई है। जोशी की बर्खास्तगी 18 मई, 2022 से प्रभावी हो गई है। दूसरे आरोपी फंड मैनेजर दीपक अग्रवाल हैं जो अभी निलंबित हैं। सूत्रों का कहना है कि फंड हाउसों द्वारा शेयरों की खरीद के दिन उन शेयरों में हुए उतार-चढ़ाव पर नजर रखने के लिए सेबी अपने डेटाबेस का उपयोग कर रहा है, ताकि फ्रंट रनिंग का पता चल सके। फंड मैनेजरों और ट्रेडरों द्वारा फ्रंट रनिंग किया जाना कोई नई बात नहीं है। पहले इसमें सबसे बड़ी समस्या यह थी कि फ्रंट रनिंग का पता लगाया जाए और फिर उसे साबित किया जाए। पिछले कुछ महीनों से सेबी अपने डेटा ट्रोव पर इंटेलिजेंस आर्टिफिशियल का इस्तेमाल कर रहा है ताकि फंडों द्वारा स्टॉक की खरीद के दिन उस स्टॉक में हुए बदलाव या उतार-चढ़ाव की पहचान की जा सके।

इस तरीके के इस्तेमाल से सेबी अब पूरी तरह से इस बात से वाकिफ हो गया है कि म्यूचुअल फंडों और कभी-कभी ब्रोकरेज फर्मों के कर्मचारियों द्वारा फ्रंट रनिंग किया जा रहा है। सेबी के करीबी सूत्रों का कहना है कि अपने आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस सॉफ्टवेयर से पूरी तरह संतुष्ट होने के बाद बाजार नियामक सरकार से इस संबंध में अधिकार देने के लिए संपर्क कर सकता है। फ्रंट रनिंग में फंड मैनेजर अपने डीमैट खातों के जरिये शेयरों को खरीदने या बेचने में शामिल हो सकता है। चूंकि म्यूचुअल फंड बड़ी मात्रा में शेयरों का सौदा करते हैं। उनके सौदों का शेयरों की कीमत पर असर पड़ता है। फ्रंट रनर इसके जरिये मुनाफा कमा सकता है या होने वाले नुकसान से बच सकता है।

फिच ने श्रीलंका की सॉवरेन रेटिंग घटाई

कोलंबो (ईएमएस)। न्यूयॉर्क की रेटिंग एजेंसी फिच ने कर्ज संकट का सामना कर रहे श्रीलंका की सॉवरेन रेटिंग को घटाकर रेस्ट्रिक्टेड डिफॉल्ट श्रेणी में कर दिया है जिसका मतलब है कि देश चूक की कगार पर है। दरअसल देश 30 दिन की रियायत अवधि के बाद भी अंतरराष्ट्रीय सॉवरेन बांड का भुगतान करने में विफल रहा है। इससे पहले केंद्रीय बैंक के गवर्नर पी नंदलाल वीरसिंघे ने यह स्वीकार किया था कि श्रीलंका अपने कर्ज का भुगतान इनका पुनर्गठन होने तक नहीं कर सकेगा। बांड का भुगतान 18 अप्रैल तक देय था और इनकी राशि 7.8 करोड़ डॉलर है। इसके भुगतान के लिए 30 दिन की रियायत अवधि भी बुधवार को समाप्त हो गई। इससे पहले 12 अप्रैल को फिच ने श्रीलंका की रेटिंग घटाकर 'सी' कर दी थी। रेटिंग एजेंसी ने कहा था ?कि श्रीलंका की विदेशी मुद्रा मुद्दे से संबंधित रेटिंग को 'सी' से घटाकर 'डी' कर दिया है। ऐसा वरिष्ठ असुरक्षित विदेशी मुद्रा बांड के मामले में चूक को देखते हुए किया गया है। श्रीलंका ने अंतरराष्ट्रीय सॉवरेन बांड, वाणिज्यिक बैंक ऋण, एग्जिम बैंक कर्ज और द्विपक्षीय कर्ज का भुगतान पहले ही निलंबित कर दिया है। देश को इस वर्ष 10.634 करोड़ डॉलर का भुगतान करना है लेकिन अप्रैल तक वह केवल 1.24 करोड़ डॉलर का ही भुगतान कर पाया।

एम्स में निःशुल्क होगी 300 रुपए तक की मेडिकल जांच

नई दिल्ली (ईएमएस)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान (एम्स) ने 300 रुपए तक की मेडिकल जांच निःशुल्क करने की घोषणा की है। एम्स ने इस बाबत आधिकारिक आदेश जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि इन मेडिकल जांच को निःशुल्क करने के बाद हुए राजस्व के नुकसान की भरपाई के लिए एम्स के प्राइवेट वार्ड में कमरों की दरें बढ़ा दी गई हैं। एम्स के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर डीके शर्मा के हस्ताक्षर से जारी आदेश के अनुसार अधोहस्ताक्षरी को यह अधिसूचित करने का निर्देश दिया जाता है कि एम्स के अध्यक्ष ने एम्स के अस्पतालों और सभी केन्द्रों में 300 रुपए तक के सभी मेडिकल जांच को तत्काल प्रभाव से निःशुक्ल करने को मंजूरी दे दी है। एक अन्य आदेश के अनुसार एम्स के प्राइवेट वार्ड में स्थित ए-क्लास या डिलक्स कमरों के शुल्क को 3,000 रुपए से बढ़ाकर 6,000 रुपए कर दिया गया है और बी-क्लास या सामान्य कमरों के शुल्क को 2,000 रुपए से बढ़ाकर 3,000 रुपए कर दिया गया है। आदेश के अनुसार भोजन के लिए लगने वाले शुल्क को 200 रुपए प्रतिदिन से बढ़ाकर 300 रुपए प्रतिदिन कर दिया गया है।

सैन्य दृष्टिकोण से एशिया में पांच हॉट-स्पॉट पर अमेरिका की नजर, बाइडेन के जापान-कोरिया दौरे के मायने

सियोल, दक्षिण कोरिया (ईएमएस)। प्रशांत क्षेत्र में अपनी चीन की बढती गतिविधियों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन 6 दिनों के लिए दक्षिण कोरिया और जापान की यात्रा पर हैं। बतौर राष्ट्रपति जो बाइडेन की यह पहली एशिया यात्रा है। इस यात्रा का मकसद दोनों देशों के साथ अमेरिकी संबंधों को मजबूती प्रदान करना है। साथ ही चीन को कड़ा संदेश भी देना है कि वो प्रशांत क्षेत्र में अपनी गतिविधियों पर विराम लगाए। इस क्षेत्र में दशकों से अस्थिरता का माहौल बना हुआ है। ताइवान, उत्तर कोरिया, दक्षिण चीन सागर, भारत-चीन सीमा और कुरील द्वीप समूह सहित सभी हॉट-स्पॉट में रूस-यूक्रेन युद्ध का प्रभाव देखा जा रहा है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रूस-यूक्रेन युद्ध ने क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा दिया है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति की यात्रा बेहद अहम हो जाती है। सैन्य दृष्टिकोण से एशिया में उपरोक्त पांच हॉट-स्पॉट पर अमेरिका की बराबर नजर रहती है। पहले बात करते हैं ताइवान की। चीन के तट से 110 मील (177 किलोमीटर) से भी कम दूरी पर स्थित है ताइवान का द्वीप। 70 सालों से भी अधिक समय तक ताइवान पर अलग-अलग शासन रहा है, लेकिन इसने चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) को द्वीप पर अपना होने का दावा करने से नहीं रोका है।

वहीं प्रशांत क्षेत्र की अन्य शक्तियों, खासकर जापान को सावधान किया गया है। जापानी अधिकारियों का कहना है कि उनके देश की ऊर्जा जरूरतों का 90 फीसदी ताइवान के आसपास के पानी के माध्यम से आयात किया जाता है। यह दर्शाता है कि जापान की आर्थिक स्थिरता के लिए ताइवान कितना अहम है। अमेरिका ताइवान को सुरक्षा देने के लिए भी प्रतिबद्ध है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति की जापान यात्रा के महत्व को समझा जा सकता है। अगर बात करें उत्तर कोरिया की तो इस साल किम जोंग उन की सरकार ने रिकॉर्ड संख्या में मिसाइल परीक्षण किए हैं। ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि साल 2017 के बाद पहली बार वह परमाणु हथियार का परीक्षण भी कर सकता है। हालांकि उत्तर कोरिया इन सालों में परमाणु परीक्षण के लिए तैयार था, मगर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और किम जोंग की असफल शिखर सम्मेलन के बाद परीक्षण रुक गया था। विशेषज्ञों के मुताबिक प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की साझेदारियों के बल पर बाइडन उत्तर कोरिया से खतरे को कम कर सकते हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक चीन के उदय ने एशिया प्रशांत क्षेत्र को अमेरिका की प्राथमिकता बना दिया है। कुछ ही रोज पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने कहा था कि चीन का उदय 21वीं सदी का सबसे बड़ा भू-राजनीतिक इम्तिहान है। इस बीच उत्तर कोरिया ने भी लगातार मिसाइल परीक्षण कर इस क्षेत्र में चिंताएं बढ़ा रखी हैं। इसे देखते हुए अमेरिकी रणनीतिकारों में आम राय बनी है कि जापान और दक्षिण कोरिया की एकजुटता बेहद जरूरी है। रूस इसे दक्षिण कुरील कहता है। साल 1945 में दूसरे विश्व यद्ध के दौरान जापान के आत्मसमर्पण के बाद सोवियत सेना ने कुरी द्वीप समूह पर कब्जा कर लिया था। द्वीप समूह पर अधिकार ने रूस और जापान में खटास पैदा कर दी है। शांति समझौता होने के बाद भी दोनों देशों में कुरील द्वीप समूह को लेकर अशांति हैं। जापान पहले ही यूक्रेन पर हमले की निंदा कर चुका है। इसी बीच रूस ने पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अपनी सैन्य गतिविधियों को भी बढ़ा दिया है। लिहाजा, जो बाइडेन की चिंता भी बढ़ गई है।

तकरीबन 1.3 मिलियन वर्ग मील में फैले दक्षिण चीन सागर पर चीन अपना हक जमाता है। चीन का यह दावा वाशिंगटन और बीजिंग के बीच तनाव की एक अहम वजह रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यूक्रेन युद्ध के साथ-साथ ताइवान, उत्तर कोरिया और कुरील द्वीप समूह के आसपास बढ़ते तनाव के बीच दक्षिण चीन सागर के मुद्दे को फिलहाल कम करके आंका जा रहा है।

भारत से 1600 टन गेहूं लेकर बांग्लादेश जा रहा मालवाहक जहाज नदी में डूबा

- प्रशासन का कहना है कि नदी में जहाज डूबने के बाद गेंहू को बचाना संभव नहीं

ढाका (ईएमएस)। भारत से 1,600 टन गेहूं लेकर आ रहा हल्का मालवाहक जहाज बंगाल की खाड़ी के मुहाने पर मेघना नदी में डूब गया। अधिकारियों ने बताया कि जहाज तलहटी में टकराने की वजह से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। यह जहाज चाट्टोग्राम बंदरगाह पर लंगर डाले एक बड़े मालवाहक जहाज से मंगलवार को निजी आटा मिल के लिए गेंहू लेकर ढाका के बाहरी इलाके में स्थित नारायणगंज नदी गोदी की ओर जा रहा था। यह दुर्घटना ऐसे वक्त में हुई है जब आयातक, खास तौर से एशियाई आयातक, भारत से आने वाले गेंहू पर निर्भर हैं। दरअसल 24 फरवरी को यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद काला सागर क्षेत्र से निर्यात बंद हो गया है। प्रशासन का कहना है कि नदी में जहाज डूबने के बाद गेंहू को बचाना संभव नहीं है। बांग्लादेश जल परिवहन प्रकोष्ठ के संयुक्त सचिव अताउल कबीर ने बताया ?कि हल्का जहाज 1,600 टन गेंहू के साथ पानी में डूब गया है। गेंहू को बचाने का कोई उपाय नहीं है। इससे पहले विभाग के अधिकारियों ने बताया था कि जहाज पूरी तरह नहीं डूबा है और तटवर्ती लक्ष्मीपुर जिले के तिल्लर छार इलाके में वह क्षतिग्रस्त हुआ था।

जहाज के शिपिंग एजेंट ने बताया था कि तलहटी से टकराने के बाद जहाज के अगले हिस्से में दरार पड़ गई है और उसमें काफी पानी भर गया है। बाद में पानी जहाज के बीच के हिस्से में घुस गया और पूरा जहाज डूब गया। अधिकारियों और गेंहू के आयातक ने बताया कि पूरे माल की कीमत करीब 6.64 करोड़ टका (7,58,280.70 अमेरिकी डॉलर) था। यह पूछने पर कि क्या किसी ने जानबूझकर जहाज को डुबोया है, कबीर ने इन बातों को महज अटकलें बताते हुए कहा कि यह सामान्य दुर्घटना है।

इंडोनेशिया पाम तेल पर प्रतिबंध हटाएगा, खाने का तेल होगा सस्ता

- इंडोनेशिया सरकार ने बीते 28 अप्रैल को पाम ऑयल के निर्यात पर प्र?तिबंध लगाया था

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। लगातार तेजी से बढ़ रही महंगाई से परेशान लोगों के ??लिए राहत भरी खबर है। दरअसल, बहुत जल्द खाने के तेलों की कीमतें कम हो सकती हैं। इसकी वजह यह है कि इंडोनेशिया ने बीते दिनों लगाया पाम ऑयल के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने का फैसला किया है। इस संबंध में सामने आई एक रिपोर्ट के मुताबिक इंडोनेशिया ने 23 मई से पाम ऑयल पर लगे प्रतिबंध को हटाने का ऐलान कर दिया है। ?पिछले ?दिनों देश के कारोबारी नेताओं ने राष्ट्रपति से निर्यात प्रतिबंधों को हटाने की मांग की थी, जिसके बाद ये बड़ा फैसला लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक निर्यात पर प्र?तिबंध के बाद से देश में स्टॉक फुल हो चुका है, अगर प्रतिबंध जारी रहे तो इस क्षेत्र को भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। गौरतलब है ?कि पाम ऑयल के सबसे बड़े उत्पादक देश इंडोनेशिया की सरकार ने बीते 28 अप्रैल को पाम ऑयल के निर्यात पर प्र?तिबंध लगा दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, इंडोनेशिया में बंदरगाहों सहित लगभग छह मिलियन टन स्टोरेज क्षमता है। वहीं प्रतिबंध के बाद घरेलू स्टॉक मई की शुरुआत में ही लगभग 5.8 मिलियन टन तक पहुंच गया। इंडोनेशिया पाम ऑयल एसोसिएशन के जारी आंकड़ों को देखें तो मार्च के आ?खिर में घरेलू स्टॉक फरवरी के 5.05 मिलियन टन से बढ़कर 5.68 मिलियन टन हो गया था। फिर निर्यात बैन होने के बाद स्टॉक लगभग फुल हो चुका है।

गौरतलब है कि इंडोनेशिया आमतौर पर घरेलू स्तर पर अपने वार्षिक पाम तेल उत्पादन का केवल 35 फीसदी ही उपयोग करता है। इसका उपयोग ज्यादातर भोजन और ईंधन के लिए किया जाता है। वहीं भारत की पाम ऑयल को लेकर इंडोनेशिया पर अधिक निर्भरता है, ऐसे में निर्यात पर प्रतिबंध हटने से देश में राहत मिल सकती है। भारत अपनी जरूरत का 70 फीसदी पाम ऑयल इंडोनेशिया से ही आयात करता है। जबकि 30 फीसदी का आयात मलेशिया से होता है। वित्त वर्ष 2020-21 में भारत ने 83.1 लाख टन पाम ऑयल का आयात किया था।

अमेरिका में बसने के इच्छुक ढाई लाख प्रवासियों को नागरिकता प्रदान करने का सांसदों ने किया आग्रह

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में बसने के इच्छुक 21 साल से कम उम्र के लगभग ढाई लाख लोगों (डॉक्यूमेंटेड ड्रीमर्स) को नागरिकता प्रदान करने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों के एक समूह ने एक अधिनियम पारित करने का फिर से आग्रह किया है, जिनमें ज्यादातर भारतीय-अमेरिकी शामिल हैं। कैलिफोर्निया सीनेटर एलेक्स पडिला और अमेरिकी कांग्रेस (संसद) सदस्य डेबोरा रोस की अगुवाई में सांसदों ने सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में अपने सहकर्मियों से अमेरिका का बाल अधिनियम पारित करने का अनुरोध किया है, जो अमेरिका में प्रवास कर गये लेकिन 'ग्रीन कार्ड' पाने का इंतजार कर रहे लोगों के बच्चों को यहां रहने की अनुमति प्रदान करेगा।

ग्रीन कार्ड के लिए काफी संख्या में आवेदन होने को लेकर उन्हें अभी तक यह स्थायी निवास कार्ड नहीं मिल सका है। ग्रीन कार्ड को आधिकारिक रूप से स्थायी निवास कार्ड के रूप में जाना जाता है। यह एक ऐसा दस्तावेज है जो अमेरिका आए प्रवासियों को इस साक्ष्य के रूप में जारी किया जाता है कि इसके धारक को अमेरिका में स्थायी रूप से रहने का विशेषाधिकार दिया गया है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में बसने के इच्छुक प्रवासियों के करीब 2,50,000 लाख बच्चे अमेरिका में कानूनन पले-बढ़े हैं, लेकिन 21 साल की आयु होने पर स्वदेश वापस भेजे जाने के जोखिम का सामना कर रहे हैं। पडिला ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'इन बच्चों के लिए, 21 साल की आयु का होने का मतलब है एक असंभव विकल्प का सामना करना। या तो वे अपने परिवार को छोड़ कर स्वदेश लौट जाएं, जिससे शायद ही वे कोई जुड़ाव महसूस करते हों या अमेरिका में बगैर (वैध) दस्तावेजों के छिप कर रहें।' भारतीय-अमेरिकी संसद सदस्य डॉ एमी बेरा ने कहा कि ये बच्चे अमेरिका में पले-बढ़े हैं और वे इस देश को ही अपना एकमात्र घर मानते हैं। 'फिर भी वे 21 साल की आयु के होने पर स्वदेश भेजे जाने के जोखिम का सामना कर रहे हैं क्योंकि आव्रजन प्रणाली में (ग्रीन कार्ड के लिए) काफी संख्या में लंबित आवेदन हैं।' उन्होंने कहा कि इन बच्चों को संरक्षण प्रदान करने के लिए संसद को अमेरिका का बाल अधिनियम पारित किया जाना चाहिए।

जंगलों का भविष्य है चाकू की धार पर

- वैज्ञानिकों के अनुमान से कहीं ज्यादा गर्म हो रही है धरती

न्यूयार्क (ईएमएस)। यह सवाल सबसे बडा है कि क्या पेड़ वैश्विक ताप वृद्धि को देखते हुए कार्बन डाइऑक्साइड की बड़ी मात्रा को अवशोषित करने गति को बरकरार रख पाएंगे? तेजी से वनों में निवेश कर रही कंपनियों ने कहा कि पेड़ निरंतर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को खत्म करता है।

दो अध्ययनों के नतीजों में ये नए सवाल उठाए गए हैं कि दुनिया भविष्य में तापमान वृद्धि के मद्देनजर कार्बन की बढ़ती मात्रा का भंडार करने को लेकर वनों पर कितना निर्भर कर सकती है। दोनों अध्ययनों में शामिल पारिस्थितिकी वैज्ञानिक एंडेरेग ने इसका जवाब दिया है। नया अध्ययन पेड़ों तथा कार्बन को सोखने की उनकी क्षमता के बारे में हमें क्या बताता है? जंगलों का भविष्य चाकू की धार पर है, जो दो बहुत महत्वपूर्ण ताकतों के बीच का युद्ध है : कार्बन डाइऑक्साइड के बढ़ते स्तर से पेड़ों को मिलने वाले फायदे और गर्मी, सूखा, आग, कीटनाशक तथा रोगजनकों जैसी जलवायु का सामना करने से पड़ने वाला दबाव। धरती वैज्ञानिकों के अनुमान से कहीं ज्यादा गर्म हो रही है। हम जंगलों में आग लगने की घटनाएं देख रहे हैं और सूखे की वजह से जंगल अनुमान से पहले समाप्त हो जाते हैं। जब ये पेड़ समाप्त हो जाते हैं तो कार्बन वापस वातावरण में चली जाती है।

हम उन फायदों के सबूत भी देख रहे हैं कि पेड़ों को कार्बन डाइऑक्साइड के उच्च स्तर से मिलती है। पेड़ और जंगल सभी तरह की शानदार चीजें करते हैं - वे हवा और जल को स्वच्छ करते हैं और वे इमारती लकड़ी तथा पर्यटन और परागण के रूप में आर्थिक फायदा देते हैं। ऐसी बहस छिड़ी है कि वातावरण में अधिक कार्बन ड इऑक्साइड से पेड़ अधिक तेजी से वृद्धि करेंगे और कार्बन को सोख लेंगे। आपके अध्ययन से क्या पता चला? दो चीजें पेड़ों की वृद्धि को प्रभावित करती है : प्रकाश संश्लेषण, कि कैसे पेड़ सूर्य की रोशनी और कार्बन डाइऑक्साइड को भोजन में बदलते हैं और शाखाओं का विभाजन तथा विस्तार की प्रक्रिया।लोग मानते हैं कि प्रकाश संश्लेषण लगभग हर जगह प्रभावी प्रक्रिया है, लेकिन हमें इसके मजबूत सबूत मिले हैं कि सूखे के प्रति अधिक संवेदनशील ये कोशिकीय प्रक्रियाएं वृद्धि को बढ़ाने या सीमित रखने के लिए अधिक जिम्मेदार हैं। आपने भविष्य में पेड़ों के खत्म होने के खतरे के बारे में क्या सीखा है?

एक अन्य अध्ययन में हमने पाया कि वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करने का वन में लगने वाली आग, सूखा और कीटों से वनों को होने वाले नुकसान से बचने पर बड़ा असर पड़ सकता है। मालूम हो कि जब लोग जलवायु परिवर्तन को कम करने के तौर-तरीकों के बारे में बात करते हैं तो वे अक्सर अच्छे परिप्रेक्ष्य में पेड़ों का जिक्र करते हैं। वन पृथ्वी को गर्म करने वाली कार्बन डाइऑक्साइड की बड़ी मात्रा को अवशोषित कर लेते हैं, जो लोगों के जीवाश्म ईंधन जलाने से वातावरण में पैदा होती है। यही वन जीवनदायिनी ऑक्सीजन गैस देते हैं।

देश के विकास के ग्रोथ इंजन गुजरात में कोई भी व्यक्ति विकास की मुख्य धारा से वंचित या पीछे नहीं रह जाना चाहिए : मुख्यमंत्री

- भूपेन्द्र पटेल ने बनासकाँठा के काकर में घुमंतु जाति की बस्ती तथा छात्रालय का लोकार्पण किया

बनासकांठा (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को बनासकाँठा ज़िले में काँकरेज तहसील के काकर में घुमंतु जाति के लिए निर्मित बस्ती एवं छात्रालय का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने विचरणशील-घूमंतु जाति के एक स्थान से दूसरे स्थान पर खुले आकाश तले जीवन यापन करने वाले बेघर परिवारों को काकर के वादीपुरा में निर्मित मकानों की चाबियाँ अर्पित कर उनका गृह प्रवेश कराया। इसके साथ ही इन घूमंतु लोगों को अब स्थायी पता मिल गया है। इस अवसर पर पटेल ने कहा कि यह सरकार हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए विकास मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के साथ काम करती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की कई सारी योजनाएँ हैं, परंतु विचरणशील जाति के लिए कार्य करने से विशेष आत्मसंतोष मिलता है। अब तक विचरणशील जाति के 4000 लोगों को मकान के लिए सनद सहायता दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात विकास का ग्रोथ इंजन है। ऐसे में सरकार इस बात की चिंता करती है कि कोई भी व्यक्ति विकास की मुख्य धारा में पीछे न रह जाए। उन्होंने कहा कि नरेन्द्रनगर वादी वसाहत (बस्ती) के मकानों के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई के लिए हॉस्टल भी बनाया गया है। अब बच्चों को शिक्षा के लिए हॉस्टल से युक्त व्यवस्था मिलेगी, जिससे वे पढ़-लिख कर आगे बढ़ सकेंगे। पटेल ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा गुजरात के विकास की नींव में हैं। कोविड काल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को एक सूत्र में पिरोए रखते हुए स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान की हैं। गुजरात में शांति एवं सुरक्षा का वातावरण होने के कारण लोग निर्भयतापूर्वक घूम-फिर सकते हैं। उन्होंने विचरणशील जाति के समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि आपको आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रयत्नशील है। ऐसे में कुरितियों से बाहर आकर आगे बढ़ें। पटेल ने आत्मनिर्भर गुजरात तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए बच्चों को पढ़ाने की हार्दिक अपील भी की। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसी विचरणशील जातियों की वेदना को समझा और इन जातियों के आवास योजना भूखंड आवंटन जैसे अंत्योदय विकास के कार्यों को प्राथमिकता दी है।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री प्रदीप परमार ने कहा कि विचरणशील समुदाय समर्थन मंच, ज़िला प्रशासन एवं राज्य सरकार द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम वर्ष 2022 तक प्रत्येक व्यक्ति को घर देने के प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी के सपने को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण क़दम है। परमार ने कहा कि काकर में घूमंतु जाति के कुल 185 लाभार्थी परिवारों को रहने के लिए 15,475 वर्ग मीटर भूमि आवंटित की गई है। 214 लाभार्थियों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय आवास योजना के अंतर्गत कुल 97.12 लाख रुपए की सहायता का भुगतान किया गया है।

शिक्षा राज्य मंत्री कीर्तिसिंह वाघेला ने कहा कि मुख्यमंत्री के करकमलों से बस्ती व छात्रालय के लोकार्पण तथा महादेव मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का त्रिवेणी संगम काकर के आँगन में अमूल्य अवसर है। उन्होंने कहा कि वर्षों से विकास से वंचित विचरणशील जाति समदाय के लोगों के लिए आवासीय व्यवस्था के साथ शिक्षा व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई है। ऐसे में शिक्षा के अभाव के कारण व्याप्त कुरीतियों तथा व्यसनों से मुक्त होने के लिए मुख्यमंत्री की उपस्थिति में सभी संकल्पबद्ध हों।

125 किमी लंबे सांचोर-सांतलपुर मार्ग को छह लेन बनाने के कार्य का मुख्यमंत्री ने किया निरीक्षण

- अमृतसर-जामनगर इकोनॉमिक कॉरिडोर का अहम हिस्सा है यह मार्ग

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को बनासकांठा के थराद का दौरा कर केंद्र सरकार की भारतमाला परियोजना के अंतर्गत राजस्थान के सांचोर से गुजरात के पाटण जिले के सांतलपुर तक सड़क को छह लेन में परिवर्तित करने के कार्य का निरीक्षण किया। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण लगभग 125 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को छह लेन सड़क में बदलने का कार्य ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे के रूप में कर रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय भारतमाला परियोजना के तहत अमृतसर से जामनगर के बीच लगभग 1256 किमी लंबे इकोनॉमिक कॉरिडोर का निर्माण करेगा। सांचोर-सांतलपुर के बीच 125 किमी लंबा यह मार्ग इकोनॉमिक कॉरिडोर के एक अहम हिस्से के रूप में 4 पैकेज में कुल 2030.44 करोड़ रुपए के खर्च से विकसित किया जा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने प्रत्येक पैकेज में लगभग 500 करोड़ रुपए की लागत से 30 किमी लंबी सड़क को 6 लेन के रूप में कार्यरत करने का कार्य चरणबद्ध तरीके से शुरू किया है और इसके वर्ष 2023 तक पूरा होने का अनुमान व्यक्त किया है। भारतमाला परियोजना का उद्देश्य देश के उत्तरी राज्यों की पूर्वी क्षेत्र के साथ कनेक्टिविटी को बढ़ाना है। इतना ही नहीं, इस परियोजना के मार्फत जामनगर, कंडला और मुंद्रा जैसे बंदरगाहों से उत्तरी राज्यों को विभिन्न उत्पादों के आयात-निर्यात की वैश्विक सुविधा भी प्रदान करने की मंशा है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार सुबह थराद के निकट इस छह लेन सड़क निर्माण स्थल का दौरा बनासकांठा के प्रभारी मंत्री गजेंद्रसिंह परमार, सांसद परबत पटेल, प्रदेश महामंत्रा और पूर्व मंत्री रजनी पटेल, बनासकांठा जिला प्रशासन तंत्र और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों को साथ रखकर किया और उनसे जानकारी हासिल की।

दोस्त बने शजनीतिक दुश्मन

कांग्रेस को गुजशात विशोधी पार्टी कहना ठीक नहीं : मेवाणी

हार्दिक पर प्रहार करते हुए मेवाणी ने कहा कि अडाणी औश अंबानी से कैसे प्रेम हो गया । मतलब साफ है कि आप ही अपनी विचाशधाश से समझौता कश शहे हैं ।

अहमदाबाद, २० मई । विधानसभा चुनाव के साल में गुजशात में सियासी माहौल जम गया है । कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देने के बाद पार्टी पश जमकश हमला बोला है । हार्दिक पटेल ने १९ अप्रैल को अहमदाबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस कश कांग्रेस पश नस्लवाद औश गुजशात विशोधी होने का आशोप लगाया । हार्दिक के सनसनीखेज आशोपों का जवाब देने जिग्नेश मेवाणी सामने आ गए हैं । इस तशह एक समय दोस्त शहे हार्दिक औश जिग्नेश अब स्पष्ट रूप से शजनीतिक दुश्मन बन गए हैं ।

हार्दिक पटेल के आशोप 'कांग्रेस की मानसिकता गुजशात विशोधी है' के जवाब में मेवाणी ने कहा - कांग्रेस को गुजशात विशोधी पार्टी कहना ठीक नहीं है । मेवाणी ने आगे कहा कि आपको पार्टी के कुछ लोगों से आपत्ति हो सकती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि पूशी पार्टी को ही गुजशात का विशोधी बता दिया जाए । हार्दिक ने शहुल गांधी का जिक्र कशते हुए कहा था कि दिल्ली में बैठे गुजशात के नेता कान लगाने का काम कश शहे हैं । शहुल गांधी जब गुजशात आते हैं तो उनके सामने गुजशात के मुद्दों पश चर्चा नहीं कशते, बल्कि कमशे में बैठकश सोचते हैं कि आज शहुल गांधी को कौन सा चिकन सैंडविच दिया जाए? हार्दिक के इस आशेप के जवाब में मेवाणी ने कहा - इस्तीफा देते समय क्या चिकन-सैंडविच दलील का मुद्दा हो सकता है?

हार्दिक ने कहा कि कांग्रेस केवल गुजशात के लोगों को दयनीय बनाने की कोशिश कश शही है । मैंने अपने जीवन के ३ साल कांग्रेस में बर्बाद किए हैं । वहीं, इसके जवाब में मेवाणी ने कहा, 'क्या आप शहुल गांधी को टाश्गेट कशते हैं? वह आदमी जिसने तुम्हें प्याश-सम्मान दिया । जिस व्यक्ति के जशिए आपकी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच थी, मेशी नहीं । २६-२७ साल की उम्र में उन्होंने आपको कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया, आपको लाड़-प्याश किया, आपको स्टाश प्रचाशक बनाया । इन सबके बावजूद अगश आपकी छोटी सी मांग पूशी नहीं होने के काशण पार्टी में नहीं शहना चाहते तो गशिमा के साथ विदाई ले सकते थे है । अल्पेश ठाकोश ने भी कांग्रेस छोड़ी, लेकिन अपनी गशिमा को कायम शखा । पाटीदाशें को दिए गए आश्क्षण का जिक्र कशते हुए हार्दिक ने कहा था, 'आंदोलन के दौशन भाजपा सश्काश पुलिस को माश शही थी ।' तब कांग्रेस पार्टी ने क्या किया? इसके जवाब में मेवाणी ने कहा कि गुजशात की भाजपा सश्काश ने पाटीदाश समुदाय को आश्क्षण दिलाने का भशोसा दिलाया था । आंदोलन में पाटीदाश समाज ने अपने १४ युवाओं को खो दिया । तुम्हाशे खिलाफ ३२ झूठे मुकदमे कश्वाए । यह सब भाजपा सश्काश ने ही किया । लेकिन, अब आप उसी से प्याश क्यों दिखा शहे हो?

हार्दिक ने कहा था - आप कहीं न कहीं विचाशधाश से समझौता कश शहे हैं । कांग्रेस को सिर्फ अडाणी औश अंबानी से ही दिक्कत क्यों है? सालों से उन्हें निशाना बनाया जा शहा है । इसके जवाब में मेवाणी ने कहा कि मुझे तो फिलहाल यह समझ नहीं आ शहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौशन आपको अचानक अडाणी औश अंबानी से कैसे प्रेम हो गया । मतलब साफ है कि आप ही अपनी विचाशधाश से समझौता कश शहे हैं ।

हार्दिक पटेल के कांग्रेस को नस्लवादी पार्टी बताने के मुद्दे पश मेवाणी ने कहा - 'जब आप तीन साल कांग्रेस में औश शीर्ष नेतृत्व में थे तो कोई आपत्ति नहीं थी ।

कांग्रेस पश निशाना साधते हुए हार्दिक ने कहा था कि - पार्टी को चिंतन नहीं, चिंता कशनी चाहिए । इसके जवाब में मेवाणी ने कहा - हम चिंता भी कशेंगे औश चिंतन भी कशेंगे । आप अपनी भाषा पश नियंत्रण शखें ।

सीबीआई ने सामान्य प्रशासन विभाग के संयुक्त सचिव के. राजेश को किया गिरफ्तार

गांधीनगर (ईएमएस) केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग के संयुक्त सचिव और सुरेन्द्रनगर जिले के तत्कालीन कलेक्टर के. राजेश की ऑफीस और घर पर रेड के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया है साथ ही सूरत के एक शख्स को भी सीबीआई ने अपनी हिरासत में ले लिया है सरकारी जमीन के आवंटन व नियमित करने और आर्म्स लाइसंस के लिए रिश्वत के मामलों में सीबीआई ने केस दर्ज किया है सीबीआई के मुताबिक गुजरात सरकार के अनुरोध पर पहले प्राथमिक जांच की गई थी जांच के बाद सीबीआई ने आईएएस के. राजेश के खिलाफ दिल्ली में केस दर्ज किया और उसके बाद गांधीनगर, सूरत, सुरेन्द्रनगर इत्यादि निवास स्थानों पर छापा मारा गया कि. राजेश के खिलाफ बंदूक के लाइसंस के लिए और जमीन सौदे में भी रिश्वत मांगने का आरोप है बता दें कि सुरेन्द्रनगर में सरकारी भूखंड के आवंटन विवाद में के. राजेश का नाम आ चुका है बामणबोर की जमीन सौदे में राजकोट के राजनीतिक दल के एक नेता भी संदेह के दायरे में है सीबीआई की जांच में पता चला है कि बामणबोर की जमीन सौदे में इस नेता की अहम भूमिका रही है के. राजेश 2011 बैच के आईएस अधिकारी हैं और फिलहाल राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग में बतौर संयुक्त सचिव सेवारत हैं के. राजेश सुरेन्द्रनगर जिला कलेक्टर भी रह चुके हैं सुरेन्द्रनगर के कलेक्टर के बाद उनका गृह विभाग में संयुक्त सचिव पद पर तबादला किया गया था हांलाकि तबादले के कुछ दिन बाद ही उन्हें साइड पोस्ट कर दिया गया था

पार्टी ने चिंतन शिविश में गांधी पशिवाश के वजूद को बचाया

अहमदाबाद, २० मई । प्रशांत किशोश ने कांग्रेस के चिंतन शिविश को असफल कशाश दिया है । कांग्रेस पश निशाना साधते हुए कहा कि उदयपुश चिंतन शिविश से पार्टी को कुछ भी हासिल नहीं हुआ है । इस शिविश से कांग्रेस नेतृत्व यानी गांधी पशिवाश को वजूद बचाने का औश वक्त मिल गया है । साथ ही प्रशांत किशोश ने गुजशात औश हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की हाश की भी भविष्यवाणी की है ।

पीके ने ट्वीट कश्के कहा- मुझे बाश-बाश उदयपुश चिंतन शिविश पश टिप्पणी कश्ने के लिए कहा गया है, लेकिन मेशे हिसाब से उदयपुश चिंतन शिविश कोई भी सार्थक उद्देश्य पूश कश्ने में फेल शहा है । इस शिविश से सिर्फ कांग्रेस लीडशशिप को थोड़ा औश समय मिल गया है, कम से कम गुजशात औश हिमाचल प्रदेश के चुनावों तक के लिए । बता दे, पीके ने अप्रैल में कांग्रेस में जान फूंकने के लिए एक ६०० पन्नों का प्रेजेंटेशन दिया था ।

प्रेसिडेंट औश वर्किंग कमेटी समेत हश पोस्ट के लिए कार्यकाल तय हो । १५ हजाश जमीनी नेताओं के साथ १ कशोड़ कार्यकर्ता मुस्तैदी से काम कशें ।

देश के अलग अलग हिस्सों में कशीब २०० प्रभावी लोगों, एक्टिविस्ट्स औश सिविल सोसायटी के लोगों का ग्रुप बनाया जाए ।

कांग्रेस ने उदयपुश में ३ दिन तक चिंतन शिविश आयोजित किया था, जिसमें ४०० से ज्यादा शीर्ष नेता शामिल हुए थे । शिविश में कांग्रेस ने वन फैमिली-वन टिकट, संगठन में युवाओं को आश्क्षण, देशभश में पदयात्रा निकालने जैसे कई अहम फैसले लिए थे । इस दौशन शहुल गांधी ने कहा था कि हम फिश जनता के बीच जाएंगे, उससे अपने शिश्ते मजबूत कशेंगे औश ये काम शॉर्टकट से नहीं होगा । ये काम कड़ी मेहनत से होगा ।

गुजशात में विधानसभा की १८२ सीटें हैं । यहां भाजपा के पास १११ औश कांग्रेस के पास केवल ६३ सीटें हैं । प्रदेश में २७ सालों से कांग्रेस सत्ता से दूश है । पिछले दिनों कांग्रेस के आदिवासी नेता शहे विधायक अश्विन कोतवाल औश युवा नेता हार्दिक पटेल जैसे कई बड़े नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है, जिसके बाद कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती जा शही हैं । गुजशात में चुनावी लड़ाई चेहशों पश लड़ी जाती है लेकिन कांग्रेस के पास कोई चेहशा नहीं है ।

हिमाचल प्रदेश में कुल ६८ विधानसभा सीटें हैं, जिसमें भाजपा के पास ४४ औश कांग्रेस के पास केवल २१ सीटें हैं । प्रदेश की सियासत में विधानसभा चुनाव में १९८५ के बाद से कोई पार्टी अपनी सश्काश शिपीट नहीं कश पाई है । एक बाश कांग्रेस तो एक बाश बीजेपी चुनाव जीतती आई है । २०१२ के बाद हिमाचल में कांग्रेस सत्ता से दूश है ।

शज्य में कांग्रेस ने प्रदेश में छह बाश के सीएम शहे दिवंगत वीशभद्र सिंह की पत्नी सांसद प्रतिभा को प्रदेश अध्यक्ष बनाकश नया कार्ड खेला है, लेकिन पंजाब-हशियाणा की तशह यहां भी गुटबाजी कम नहीं है । कांग्रेस को इस बात पश ध्यान देना होगा कि पंजाब की पश्छाई हिमाचल पश न पड़े ।

सूरत में मां ने बच्चे के साथ जहर गटका, दोनों की मौत

सरत, २० मई । सूश्त शहश के कपोदश इलाक में हत्या औश आत्महत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है । यहां एक मां ने पहले अपने एक साल के बेटे को कीटनाशक पिला दिया औश उसके बाद खुद भी पी लिया । दोनों को गंभीश हालत में अस्पताल ले जाया गया था, जहां उपचाश के बाद पहले बेटे औश बाद में मां ने दम तोड़ दिया । पशिवाश को शक है कि मां ने मानसिक संतुलन खोने के बाद यह कदम उठाया ।

कपोद्रा इलाके के नाना वशछा शिवधाश सोसायटी में शहने वाले जिग्नेशभाई गजेश हीश फैक्ट्री में काम कश्ते हैं । वे शेजाना की तशह बुधवाश सुबह भी काश्खाने निकल गए थे । उनके जाने के बाद ३० वर्षीय पत्नी चेतनाबेन वर्षीय बेटे अंश को लेकश घश से निकली गई थीं । जाते समय उन्होंने पड़ोसियों से कहा कि वे मार्केट जा शही हैं । इसके बाद दोपहश को झड़पिया सर्कल के पास दोनों अचेत अवस्था में मिले । स्थानीय लोगों ने १०८ एंबुलेंस की मदद से दोनों को स्मीमेश अस्पताल पहुंचाया । इस दौशन पुलिस भी इनके घश औश पशिवाश के के बाशे में पता कश्ती शही ।

वहीं, चेतनाबेन के फोन न उठाने के चलते जिग्नेश ने पड़ोसियों से पूछा तो पता चला कि चेतनाबेन बेटे को लेकश सुबह मार्केट जाने का कहकश निकलीं थीं । लेकिन अब तक घश नहीं लौटी हैं । इसके बाद जिग्नेश तुंश्त घश पहुंचा औश दोनों की तलाश शुरू की । चेतना का मोबाइल घश पश ही था । काफी खोजबीन के बाद पता न चलने पश जिग्नेश ने पुलिस थाने में उनकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कश्वाई तो मालूम हुआ कि एक महिला औश एक साल के बच्चे को अस्पताल में भर्ती कश्वाया गया है । जिग्नेश अस्पताल पहुंचा तो डॉक्टश ने बताया कि दोनों ने कोई जहशीली दवा पी है । वहीं, इलाज के दौशन ही शाम को बेटे अंश औश उसके कशीब एक घंटे बाद चेतनाबेन ने भी दम तोड़ दिया ।

पुलिस से हुई पूछताछ में जिग्नेश ने बताया कि चेतनाबेन मानसिक शेगी थी औश उनका लंबे समय से इलाज चल शहा था । चेतनाबेन काफी गुस्सैल मिजाज की थी । शायद मानसिक संतुलन खो देने के चलते उन्होंने यह कदम उठा लिया । फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है ।

वानगांव एवं दहानू रोड के बीच मेजर ट्रैफिक ब्लॉक के कारण अहमदाबाद होकर गुजरने वाली कई ट्रेनें प्रभावित

पुल संख्या 166 और 169 पर स्थायी डायवर्जन के कार्य को करने के लिए 22 मई, 2022 को वानगांव और दहानू रोड स्टेशनों के बीच एक मेजर ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा, जिसके कारण अहमदाबाद होकर गुजरने वाली कई ट्रेनों को रेगुलेट, शॉर्ट टर्मिनेट/आंशिक रूप से निरस्त किया जाएगा, जबकि यात्रियों की सुविधा के लिए कुछ ट्रेनों को अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया जाएगा। इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:-

22 मई, 2022 को आंशित रूप से निरस्त एवं शॉर्ट टर्मिनेटेड ट्रेनें

1. ट्रेन संख्या 12480 बांद्रा टर्मिनस-जोधपुर सूर्य नगरी एक्सप्रेस बांद्रा टर्मिनस और सूरत के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी और सूरत से प्रस्थान करेगी।
2. ट्रेन संख्या 12933 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद कर्णावती एक्सप्रेस मुंबई सेंट्रल और वलसाड के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी और वलसाड से प्रस्थान करेगी।
3. ट्रेन संख्या 12490 दादर-बीकानेर एक्सप्रेस दादर और वापी के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी और वापी से प्रस्थान करेगी।
4. ट्रेन संख्या 82901 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद तेजस एक्सप्रेस मुंबई सेंट्रल और वापी के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी और वापी से प्रस्थान करेगी।
5. ट्रेन संख्या 22955 बांद्रा टर्मिनस-भुज कच्छ एक्सप्रेस बांद्रा टर्मिनस और वलसाड के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी और वलसाड से प्रस्थान करेगी।
6. ट्रेन संख्या 20907 दादर-भुज एक्सप्रेस दादर और बिलिमोरा के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी और बिलिमोरा से प्रस्थान करेगी।
7. 21 मई, 2022 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 12479 जोधपुर-बांद्रा टर्मिनस सूर्य नगरी एक्सप्रेस को सूरत में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा और इसलिए सूरत और बांद्रा टर्मिनस के बीच आंशिक रूप से रद्द कर दिया जाएगा।
8. ट्रेन संख्या 12934 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल कर्णावती एक्सप्रेस को वलसाड में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा और इसलिए वलसाड और मुंबई सेंट्रल के बीच आंशिक रूप से रद्द कर दिया जाएगा।
9. 21 मई, 2022 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 12489 बीकानेर-दादर एक्सप्रेस को वापी में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा और इसलिए वापी और दादर के बीच आंशिक रूप से रद्द कर दी जाएगी।
10. ट्रेन संख्या 82902 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल तेजस एक्सप्रेस को वापी में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा और इसलिए वापी और मुंबई सेंट्रल के बीच आंशिक रूप से रद्द किया जाएगा।
11. 21 मई, 2022 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 22956 भुज-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस को वलसाड में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा और इसलिए वलसाड और बांद्रा टर्मिनस के बीच आंशिक रूप से रद्द कर दी जाएगी।
12. 21 मई, 2022 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 20908 भुज-दादर एक्सप्रेस को बिलिमोरा में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा और इसलिए बिलिमोरा और दादर के बीच आंशिक रूप से रद्द कर दी जाएगी।

22 मई, 2022 को रेगुलेटेड/री-शेडयूल्ड ट्रेनें:-

1. 21 मई, 2022 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 22932 जैसलमेर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस को 3 घंटे पुनर्निर्धारित किया गया है और अब यह 22.00 बजे प्रस्थान करेगी।
2. ट्रेन नंबर 22954 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल गुजरात एक्सप्रेस को 2 घंटे 30 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।
3. ट्रेन नंबर 16613 राजकोट-कोयंबटूर एक्सप्रेस को 1 घंटा रेगुलेट किया जाएगा।
4. ट्रेन नंबर 19016 पोरबंदर-मुंबई सेंट्रल सौराष्ट्र एक्सप्रेस 1 घंटा 30 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।
5. ट्रेन नंबर 09038 बाड़मेर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल 2 घंटे 15 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।
6. ट्रेन नंबर 22990 महुवा-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस को 1 घंटा 40 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।
7. ट्रेन नंबर 19578 जामनगर-तिरुनेलवेली एक्सप्रेस को 1 घंटा 50 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।
8. ट्रेन नंबर 22966 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट एक्सप्रेस को 2 घंटे 20 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

22 मई, 2022 को दहानु रोड एवं वानगांव स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान की जाने वाली ट्रेनें:

1. ट्रेन नंबर 22990 महुवा-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस।
2. ट्रेन नंबर 19578 जामनगर-तिरुनेलवेली एक्सप्रेस।
3. ट्रेन नंबर 22966 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट एक्सप्रेस।

22 मई 2022 की अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन निरस्त रहेगी

दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़कपुर स्टेशन पर तीसरी लाइन के कनेक्शन के संबंध में ट्रैफिक ब्लॉक लिया गया है। जिसके चलते अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन निरस्त रहेगी। जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

1. ट्रेन संख्या 12833 अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस 21 मई 2022 को निरस्त रहेगी।
2. ट्रेन संख्या 12834 हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन 22 मई 2022 को निरस्त रहेगी।

अहमदाबाद मंडल पर मनाया गया "आतंकवाद विरोधी दिवस"

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर मंडल कार्यालय में "आतंकवाद विरोधी दिवस" मनाया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक तरुण जैन ने मंडल कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई। "हम भारतवासी अपने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास रखते हैं तथा निष्ठापूर्वक शपथ लेते हैं कि हम सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करेंगे। हम मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शान्ति, सामाजिक सद्भाव तथा सुझबुझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली और विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की भी शपथ लेते हैं"। मण्डल रेल प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि आतंकवाद विरोधी दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य यही है कि देश में आतंकवाद, हिंसा के खतरे और उनके समाज, लोगों तथा देश पर पड़ने वाले खतरनाक असर के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाई जाए, शांति और मानवता का संदेश फैलाना, लोगों के बीच आपसी सद्भाव का बीजारोपण कर उनमें एकता को बढ़ावा देना, युवाओं को आतंकवाद और हिंसा के पथ से दूर रखना, किसी भी प्रकार के प्रलोभन में आकर आतंकी गुटों में शामिल होने से युवाओं को बचाने के लिए उन्हें आतंकवाद के बारे में सही ढंग से शिक्षित करना, उनमें देशभक्ति जगाना, आम आदमी की पीड़ा और जीवन पर आतंकवाद के घातक प्रभाव के बारे में लोगों को जागरूक करना है। इस अवसर पर मंडल कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गुजरात में पिछले 30 साल ले जनता भाजपा को जिता रही है कोई वजह तो होगी : हार्दिक

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद हार्दिक पटेल कांग्रेस के खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रहे हैं हांलाकि वह फिलहाल यह नहीं बता रहे कि वह किस राजनीतिक दल का दामन थामेंगे लेकिन भाजपा के प्रति नरम रुख बहुत कुछ बयां करता है दरअसल एक साक्षात्कार में हार्दिक पटेल से पूछा गया कि राज्य में भाजपा, कांग्रेस और आदमी पार्टी में से कौन सी अच्छी पार्टी है इसके जवाब में हार्दिक पटेल ने कहा कि गुजरात में पिछले 30 साल से राज्य के लोग भाजपा को विजयी बना रहे हैं अच्छा काम किया होगा तभी तो गुजरात की जनता बार बार भाजपा को सत्ता की कमान सौंप रही है उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में उन्होंने अच्छा फैसला किया था, लेकिन 2019 में उनका फैसला गलत साबित हुआ क्योंकि मैं जहां गया वहां कोई काम ही नहीं कर पाया कांग्रेस के जाने के बाद मुझे भी पता चला कि गुजरात के लोग राज्य की सत्ता कांग्रेस को क्यों नहीं सौंपते कांग्रेस में जाने से पहले लगता था कि मुझे उसके लोग समझेंगे, परंतु उन्होंने समझने का प्रयास नहीं किया मेरा कोई गोडफादर नहीं था और कांग्रेस के पास कोई विजन नहीं है कांग्रेस जाति के आधार पर ही कोई फैसला करती है हार्दिक ने कहा कि मैं हिन्दू हूं और यह मुझे साबित करने की जरूरत नहीं है मैं अब राज्य के साथ रहकर राज्य के हित में ही फैसला करूंगा कांग्रेस में रहकर किसी ने कोई काम नहीं किया है अब मैं जो भी फैसला करूंगा वह डंके की चोट पर जाहिर करूंगा

पश्चिमी रेलवे

ट्रैक आपूर्ति विभाग के लिए ई-खरीद

निविदा सूचना संख्या WTR / 17 / 2022 / 04 दिनांक 20/05/2022 केवल ई-प्रोक्योरमेंट मोड पर निविदा के लिए मुख्य अभियंता (ट्रैक आपूर्ति), मुख्यालय कार्यालय, पुरानी इमारत, दूसरी मंजिल, चर्चगेट, मुंबई - 400 020 द्वारा निम्नलिखित मदों की आपूर्ति के लिए आमंत्रित किया जाता है **निविदा संख्या** :226007 **संक्षिप्त विवरण** : एंटी-क्रीप डिवाइस 10125 मिमी कर्व्ड स्विच के लिए जेडयू-1-60 थिक वेब टंग रेल्स, आरडीएसओ ड्राइंग संख्या टी-8782 और टी-8783 फिटिंग के साथ। निविदा मात्रा : **30 सेट**। निविदा बंद करने की तिथि : **10/06/2022**। ई-निविदा बॉक्स को बंद करने का समय : निविदा बंद होने की तिथि को 11.30 बजे। विस्तृत निविदा शर्तों/शुद्धिपत्र के लिए कृपया www.ireps.gov.in पर जाएं। 0110

Follow us on: twitter.com/WesternRly

हळवद दुर्घटना के पीड़ितों को मोरारीबापू की मदद

मोरबी जिले के हळवद में एक फैक्ट्री में दीवार गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई। मोरारीबापू ने इस दुर्घटना में मारे गए लोगों के प्रत्येक परिवार को रू. 5,000 के साथ कुल 60,000 रुपये की सहायता राशि भेजी है। यह राशि सुरेन्द्रनगर में रामकथा के श्रोताओं की ओर से पहुंचाई जाएगी।

चारधाम यात्रा अखात्रीज के दिन से शुरू हुई है और उस यात्रा के दौरान अब तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है। इन पीड़ितों का विवरण प्राप्त किया जा रहा है। इस यात्रा में मृतकों के परिवारों की भी मदद की जाएगी।

हीरो मोटोकॉर्प ने नए अवतार में पेश की अपनी प्रतिष्ठित स्प्लेंडर बाइक नई स्प्लेंडर+ एक्सटीईसी बाइक को लॉन्च किया

दुनिया में मोटरसाइकल और स्कूटर बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी, हीरो मोटोकॉर्प ने आज अपनी प्रतिष्ठित मोटरसाइकल स्प्लेंडर का नया संस्करण, द स्प्लेंडर+ एक्सटीईसी लॉन्च किया। इस तरह कंपनी ने आकर्षक और व्यापपक उत्पा्द पोर्टफोलियो को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

हीरो मोटोकॉर्प के स्ट्रैलटेजी और ग्लोबल प्रॉडक्ट प्लानिंग विभाग के प्रमुख मालो ले मैसन ने कहा, "हीरो स्प्लेंडर भारत में सबसे लोकप्रिय और सबसे ज्यादा बिकने वाली मोटरसाइकिल है। नई हीरो स्प्लेंडर प्रगतिशील और नई डिजाइन की मोटरसाइकिल है। कंपनी उपभोक्ताओं को इस बाइक का प्रयोग रोजाना व्यावहारिक तरीके से करने का ऑफर दे रही है। नई हीरो स्प्लेंडर+एक्सईटीसी तरह-तरह के बेमिसाल फीचर्स से लैस है, जिसमें ब्लूटुथ कनेक्टिविटी के साथ फुल डिजिटल मीटर, कॉल और एसएमएस अलर्ट, आरटीएमआई (रियल टाइम माइलेज इंडिकेटर), लो फ्यूल इंडिकेटर, एलईडी हाई इंटेंसिटी पोजीशन लैंप (एचआईपीएल) और विशेष ग्राफिक्स शामिल हैं।

हीरो स्प्लेंडर+ एक्सटीईसी हीरो मोटोकॉर्प की डीलरशिप पर 72,900 रुपये* के शुरुआती दाम पर उपलब्ध होगी। नई स्प्लेंडर+ एक्सटीईसी 5 साल की वॉरंटी के साथ मिलेगी *(एक्सशोरूम, दिल्ली)

एथर इंडस्ट्रीज लिमिटेड की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश 24 मई, 2022 को खुलेगी, प्राइस बैंड Rs. 610 से Rs. 642 प्रति इक्विटी शेयर पर तय किया गया

अहमदाबाद, 20 मई, 2022: सूरत स्थित एथर इंडस्ट्रीज लिमिटेड (कंपनी) ने अपने पहले सार्वजनिक प्रस्ताव के लिए प्राइस बैंड Rs. 610 से Rs. 642 प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। कंपनी की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश ("IPO" या ऑफ़र) सदस्यता के लिए मंगलवार 24 मई, 2022 को खुलेगा और गुरुवार, 26 मई, 2022 को बंद होगा। निवेशक न्यूनतम 23 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 23 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं।

IPO में कुल Rs. 627 करोड़ के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू और 2,820,000 इक्विटी शेयरों की ऑफर फॉर सेल बिक्री (ओएफएस) शामिल है। प्रस्ताव बुक बिल्डिंग प्रोसेस के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें प्रस्ताव का ज्याद से ज्यादा 50% पात्र संस्थागत खरीदारों (QIB) को आवंटन के लिए उपलब्ध होगा, प्रस्ताव का कम से कम 15% गैर-संस्थागत बोलीदाताओं को आवंटन के लिए उपलब्ध होगा और ऑफर का काम से काम 35% खुदरा व्यक्तिगत बोलीदाताओं को आवंटन के लिए उपलब्ध होगा।

एथर इंडस्ट्रीज भारत में एक विशेष रासायनिक निर्माता है जो जटिल और विभेदित रसायन विज्ञान और प्रौद्योगिकी मुख्य दक्षताओं को शामिल करते हुए उन्नत मध्यवर्ती और विशेष रसायनों के उत्पादन पर केंद्रित है।

कंपनी के सूरत (गुजरात, भारत) में सचिन में दो साइट हैं। प्रारंभिक विनिर्माण सुविधा 3,500 वर्ग मीटर की जगह है जिसमें अनुसंधान एवं विकास, विश्लेषणात्मक विज्ञान प्रयोगशालाएं, एक पायलट संयंत्र, एक शिए सुविधा और एक हाइड्रोजनीकरण सुविधा है। दूसरी विनिर्माण सुविधा एक बड़े पैमाने पर विनिर्माण सुविधा है जो 10,500 वर्ग मीटर की जगह है और इसमें 16 उत्पादन धाराएं हैं। इसकी प्रति वर्ष 6,096 मीट्रिक टन की स्थापित क्षमता है और इसे तीन भवनों (और एक एसआरपी प्लांट स्ट्रीम) में विभाजित किया गया है।

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं और लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ऑफर का रजिस्ट्रार है। इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95